श्रावण कृष्ण - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 24 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 15-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार 15 अगस्त 2023 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2023 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी ही आजादी

दल वालों को दूजे दल में,
आने-जाने की आजादी।
भ्रष्टों के मुंह में खून लगा,
उनको खाने की आजादी।
नेताओं को बस येनकेन,
सत्ता पाने की आजादी।
हो भले बेसुरी राग मगर,
सबको गाने की आजादी।।

हर मोर्चे पर तेजी से दौड़ रहा है देश : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ रहा है और मुश्किल समय में जहां अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं नाजुक दौर से गुजर रही हैं वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरे देशों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है।

श्रीमती मुर्मु ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और कहा,स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, मैं भारत के नागरिकों के साथ एकजुट हो कर सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके असंख्य बलिदानों से, भारत ने विश्व समुदाय में अपना स्वाभिमान-पूर्ण स्थान फिर से प्राप्त किया। स्वतंत्रता संग्राम में नारी शक्ति के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मातंगिनी हाजरा और कनकलता बरुआ जैसी वीरांगनाओं ने भारत माता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिये। माँ कस्तूरबा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर सत्याग्रह के मार्ग पर चलती रहीं। सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ़-अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं। महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने तथा विकसित राष्ट्र बनने के लिए देश हर मोर्चे पर तेजी से आगे बढ रहा है और दूसरे देशों के लिए भी उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा, हमारा देश सभी मोर्चों पर अच्छी प्रगति कर रहा है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है। विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं नाजुक दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के कारण हुए आर्थिक संकट से विश्व-समुदाय पूरी तरह बाहर नहीं आ पाया था कि अंतर-राष्ट्रीय पटल पर हो रही घटनाओं से अनिश्चितता का वातावरण और गंभीर हो गया है। इसके बावजूद हमारी सरकार ने कठिन परिस्थितियों का अच्छी तरह सामना किया है और चुनौतियों को अवसरों में बदला है। सकल घरेलू उत्पाद में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि किसानों ने आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और राष्ट्र उनका ऋणी है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और उनकी पत्नी श्रीमती सोनल शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

हिमाचल में बादल फटने और भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत

शिमला/वार्ता। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच भारी बारिश से तबाही का दौर जारी है। राज्य जगह-जगह बादल फटने तथा भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लापता हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार आपदा के कारण राज्य में 752 सड़कें बंद हैं। कालका-शिमला रेल मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जगह-जगह बादल फटने और भूस्खलन से अब 51 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 30 लोग मलबे में दबने और बहने से लापता हैं। मंडी जिले में 18, राजधानी शिमला में 14, सोलन में 11, कांगड़ा-हमीरपुर में क्रमशह 3-3, चंबा और सिरमौर में क्रमश: एक-एक व्यक्ति की जान गई है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर दुख जताया है।

भारत शांति का पक्षधर, लेकिन दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम : राजनाथ

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है लेकिन यदि कोई दुश्मनी का भाव रखते हुए गलत नजरों से देखता है तो भारतीय सेना उसका मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

सिंह ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को आकाशवाणी के माध्यम से सशस्त्र सेनाओं के जवानों को संबोधित करते हुए कहा , एक राष्ट्र के रूप में हमारे प्राचीन सिद्धांत पूरी दुनिया को यह संदेश देते हैं, कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है। हम न सिर्फ शांति चाहते हैं, बल्कि अपने कार्यों से शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी

जाहिर करते हैं। लेकिन साथ ही साथ हम इस बारे में भी बिल्कुल स्पष्ट हैं, कि यदि कोई गलत मंशा से, या दुश्मनी का भाव लिए हमारी ओर देखने की भी जुर्रत करता है, तो हमारी सेनाएँ उसका मुंहतोड़ जवाब देंगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। सशस्त्र सेनाओं को नई चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सशक्त, और क्षमतावान बनाने की जरूरत है इसलिए सरकार शुरू से ही सेनाओं को विश्वस्तरीय उपकरणों, हथियारों तथा प्रशिक्षण से लैस करने में लगी है।

'शब्द' की आनलाइन रचनागोष्ठी में रचनाकारों की व्यापक भागीदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी बीते रविवार को ऑनलाइन आयोजित हुई। गीतकार ऋता मधुशेखर की अध्यक्षता में आयोजित इस रचना गोष्ठी में मुख्यअतिथि थीं प्रसिद्ध लेखिका और विदुषी प्रोफेसर प्रतिभा मुदलियार (मैसूर)। गोष्ठी का संचालन डॉ भूमिका श्रीवास्तव ने किया। वरिष्ठ कवयित्री डॉ रचना उनियाल के मंगलाचरण से शुरू हुई इस आभासी रचना गोष्ठी में अहमदाबाद से डॉ पन्ना त्रिवेदी, अमरावती से डॉ आशा पांडेय, कारवार से सरिता सैल, हैदराबाद से डॉ आशा मिश्रा और खंडवा से नवगीतकार श्यामसुंदर तिवारी भी जुड़े थे और इन सभी ने भी अपनी प्रभावी कविताएँ सुनायीं।

गोष्ठी में 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट, सचिव डॉ उषारानी राव, संगठन सचिव ज्योति तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुलेच्छा, वरिष्ठ कवयित्री डॉ रचना उनियाल, डॉ स्वर्ण ज्योति, बिन्दु रायसोनी, अचला सिन्हा, ऋता मधु शेखर, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, गीता चौबे और लोकेश मिश्र की काव्य-प्रस्तुतियाँ सुंदर और काफी प्रभावी रहीं।

रचना गोष्ठी में 'शब्द' की पूर्व सचिव डॉ मैथिली राव, सदस्य डॉ गीता शास्त्री और डॉ सुचित्रा कौल मिश्र (कनाडा से) भी शुरू से अंत तक जुड़ी रहीं। शुरुआत में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने उपस्थित रचनाकारों का स्वागत किया और 'शब्द' की वर्तमान गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। समापन डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

तिरंगा यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा सुबह तिरंगा यात्रा निकाली गई। दोपहिया वाहन पर निकली यह तिरंगा यात्रा श्रीरामपुरम् के आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर से शुरु होकर दैवेय्या पार्क, प्रकाश नगर, लक्ष्मीनारायणपुरम्, मरियापनपाल्या, डॉ. राजकुमार रोड, राममंदिर, राजाजीनगर, भाष्यम सर्किल आदि जगह होते हुए तेरापंथ भवन राजाजीनगर पहुंची।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन मातृशक्ति द्वारा सावन महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के नेतृत्व में, बेंगलूरु व्हाइटफील्ड मातृशक्ति अध्यक्ष सुभाषिनी सिंह द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। सभी मातृशक्तियाँ हरियाली के प्रतीक, यानी हरी साड़ी और हरी चूड़ियों में सजीव थीं। बबीता सिंह ने कंजरी गीत गाया और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनमें मेहंदी और विभिन्न प्रकार के खेल शामिल थे, सावन के सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता, अपने समाज की उत्थान की सभी ने चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने मातृशक्ति के महत्व को एक परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए बताया। इस अवसर पर एमडी समृद्धि एंटरप्राइजेज डिस्ट्रीब्यूटर जॉय ई-बाइक ने भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह जी को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में फिल्म डायरेक्टर संपत का राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह ने सम्मान किया। कार्यक्रम में मातृशक्तियाँ सुनिता सिंह, निर्मला सिंह, मालती सिंह, इंदु सिंह, पिंकी सिंह, काजल सिंह, प्रिया सिंह, कामिनी सिंह, संजू सिंह, भारती सिंह, रूपम सिंह, अर्चना सिंह, सीमा सिंह, प्रियंका सिंह, और रिंकी सिंह, रूपम सिंह, सुषमा सिंह भी उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस

सोमवार को बेंगलूरु के बनशंकरी में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एक्सिस बैंक की बनशंकरी शाखा में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आठ वर्षीय तनुष ने किया तेले का व्रत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हुब्बल्ली के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री विपुलदर्शनाश्री म. सा. के पावन सान्निध्य में आयोजित प्रवचन में सोमवार को 8 वर्षीय तनुष अमित कवाड़ ने आज तेले तपश्या के प्रत्याख्यान लिए। तनुष प्रतिवर्ष चातुर्मास में कुछ न कुछ प्रत्याख्यान करते रहता है। तनुष के नाना कांतिलाल संचेती ने बताया की तनुष कवाड़ प्रतिदिन साध्वीजी के दर्शन कर कुछ न कुछ प्रत्याख्यान लेते रहता है साथ ही तेले की तपस्या के साथ एक माह तक टीवी व् मोबाइल प्रयोग नहीं करने के प्रत्याख्यान भी लिए हुए है। इस दौरान संघ के अध्यक्ष उकचन्द बाफना, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष सम्पतराज कटारिया, महेन्द्र सिंघी, उपाध्यक्ष दलीचन्द बागरेचा आदि ने तपस्वी तनुष का सम्मान कर तपस्या की अनुमोदना की।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद का वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आरटीनगर के बिहार भवन में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद का वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ पंडित राजगुरु के द्वारा ईश वंदना से हुआ। इस वर्ष परिषद के जिन गणमान्य लोगो का निधन हुआ था, उनके याद में 2 मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। तदुपरांत, सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार यादव ने सभा में उपस्थित सभी गण्यमान्य सदस्यों का स्वागत किया। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने गत वर्ष 2022 के वार्षिक साधारण सभा का प्रतिवेदन एवं वर्तमान सत्र का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसका सदस्यों ने अनुमोदन किया। परिषद के कोषाध्यक्ष दीपेश कुमार ने पूरे साल का आय-व्यय का संपूर्ण ब्योरा पटल पर रखा और उसका भी उपस्थित सदस्यों ने अनुमोदन किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंकेक्षण के लिए मिश्रा एंड कंपनी को परिषद ने नियुक्त किया, जिसका समर्थन सदस्यों ने किया। इस वर्ष कार्यकारिणी समिति के रिक्त पदों पर नए पदाधिकारी का चयन किया जाएगा।

बैठक में सर्वसम्मति से पारित हुआ कि सदस्यता अभियान चलाया जाए। जिसमें वार्षिक, आजीवन, पूरे परिवार का आजीवन सदस्य बनाया जाए। इस वर्ष परिषद एवं ट्रस्ट दोनों मिलकर नई दिशा में कार्य योजना तय करेगी। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परिषद की ओर से दुर्गा पूजा का आयोजन धूमधाम से होगा। इस अवसर पर बिहार समाज की गतिविधियों के बारे में ट्रस्ट एवं परिषद के बहुत से गणमान्य लोगों ने अपना विचार व्यक्त किया। जिसमें मुख्य रूप से डॉ.राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव राम लखन सिंह, अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, ट्रस्टी हरीश चंद्र झा एवं परिषद के पूर्व अध्यक्ष उदय कुमार,आनंद मोहन झा, आशुतोष सिंह, एस के उपाध्याय आदि ने विचार रखे। परिषद के कई नए सदस्यों का भी परिचय हुआ। डॉ. विनय कुमार यादव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में समाज की एकता पर बल देते हुए सभी गण्यमान्य व्यक्तियों से निवेदन किया कि वे संगठित होकर समाज के विकास के लिए तन, मन और धन से योगदान दें। पंडित राजगुरु ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। बिहार भवन में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सायं 4 बजे 'आज की शाम जवानों के नाम' कार्यक्रम के तहत तिरंगा यात्रा की जाएगी।

राणी सती दादी सिंधारा एवं झूला उत्सव में झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रावण मास में गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री दादी धाम प्रचार सामिति के तत्वावधान में विष्णु, रमा-संजय नोपानी परिवार द्वारा जेपीनगर के सिंदूर कन्वेन्शन सभागार में 'दादी के सिंधारा' का आयोजन रविवार को धूमधाम से किया। इस मौके पर नोपानी परिवार एवं दादी भक्तों ने विधि विधान के साथ दादी की पूजा की एवं अखंड ज्योत प्रज्वलित की। कोलकाता की भजन गायिका निशा सोनी ने अपने साथी कलाकार के साथ गणेश वंदना से मंगलपाठ प्रारम्भ करते हुए पितरजी महाराज व हनुमानजी महाराज के भजन 'झालर, शंख, नगाड़ा बाजे रे सालासर के मंदिर में हनुमान बिराजे रे...', 'धोये धोये आंगण पधारो म्हरा दादी जी' के भजन प्रस्तुति पर उपस्थित भक्तगण झूम-झूम के नाचने लगे। निशा सोनी ने संगीतमय मंगलपाठ का बहुत ही सुंदर वाचन किया तथा दादी परिवार के बच्चों द्वारा दादीजी के विवाह उत्सव की झांकी प्रस्तुत कर सब का मन मोह लिया। जिनका नोपानी परिवार ने तिलक व आरती कर स्वागत किया।

सायं भजनों के कार्यक्रम में रामसुन्दर बगाड़िया, किशन बगड़िया, अनूप अग्रवाल, सिद्धार्थ नोपानी, अलका खेड़वाल, मोतिहारी से आए मधुसूदन जालान आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। निशा सोनी ने दादीजी, खाटू श्याम, शंकर भगवान व बालाजी महाराज के भजनों से समा बांध दिया।

निः शुल्क लॉटरी कूपन के द्वारा मंगलपाठ में भाग लेनेवाले भक्तों को दादी का खजाना दिया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के सचिव सतीश गोयल, स्वास्तिक सेवा संघ के चैयरमेन सतीश मित्तल, कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल का दुप्पट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

गायिका निशा सोनी का सम्मान रमा नोपानी व संतोष टेकड़ीवाल ने किया। अनेक सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों का समारोह में सहयोग के लिए सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। दादीजी का वार्षिकोत्सव आगामी 24 दिसंबर को मनाया जाएगा।

कबूतरों के दाना-चुगा हेतु जागरण का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सीरवी समाज सुकंदकट्टे आई माता वडेर प्रांगण में रविवार शाम को एक शाम कबूतरों के दाना चुगा हेतु विशाल जागरण का आयोजन हुआ। जागरण का शुभारंभ आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। जागरण में दानदाताओं ने बढ-चढकर भाग लिया। भजन गायक महादेव भजन मंडली के गायक श्रवण माली, राजुराम चोयल, चुनाराम भायल, बगदाराम सिंदडा, सुरेश आगलेचा एवं अन्य भजन कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर सुकंदकट्टे वडेर के अध्यक्ष रुघाराम चोयल, सचिव हनुमानराम बर्फा, उपाध्यक्ष लक्ष्मणराम पंवार, सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष घीसाराम सोलंकी एवं लग्गेरे बडेर के अध्यक्ष बाबुलाल चोयल, सचिव चेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष बाबूलाल सोलंकी, कोषाध्यक्ष कुकाराम अगलेचा एवं अन्य समाज बन्धुओं का महादेव भजन मंडली एवं सत्संग प्रेमियों की ओर से स्वागत किया गया। यह जानकारी सीरवी राजुराम चोयल ने दी।

प्रतिदिन भगवान महादेव की पूजा से घर में सुख शांति बनी रहती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां राजेश्वरीनगर स्थित पहाड़ी वाले मेहंदीपुर बालाजी मंदिर परिसर में श्रावण और पुरुषोत्तम मास पर आयोजित सप्त दिवसीय शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन सोमवार को कथा वाचक आचार्यश्री मुरारी दाधीच ने बताया कि भगवान महादेव का प्रतिदिन घर में पूजन करने से परिवार में सुख शान्ति बनी रहती है और बाबा भोलेनाथ ही ऐसे है जो मनुष्य के कष्ट को मिटा देते है। आप किसी भी भगवान की पूजा करो, भक्ति करो, उसमें महादेव की पूजा होती है। महादेव की शक्ति सब भगवान को प्रदान है। शिव-पार्वती के विवाह प्रसंग पर महिलाओं ने खूब उत्साह से उत्सव मनाया।

सभी ने भगवान का स्वागत किया और झूम कर, नाचकर उन्हें रिझाया। सोमवार को बाबा भोलेनाथ पर 'सहस्त्र धारा' अभिषेक किया गया। गणेश और कार्तिक का जन्मोत्सव मनाया गया और बधाई बांटी गई। इस अवसर पर संत बालयोगी गणेश दास महाराज भी कथा श्रवण करने पहुचे और आशीर्वाद प्रदान किया। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के पुजारी रामलाल बोथरा ने संत बालयोगी गणेश दास महाराज का माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर सरदारमल सुराणा, श्री श्याम मंदिर के संस्थापक रेवंतमल झँवर, श्याम दीवाने के नन्दलाल सोनी, देव कोठारी, सुनील बजाज, मनोज शर्मा, पवन दायमा, सुभाष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रोताओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण किया।

साध्वीवृंद के सान्निध्य में नवकार महामंत्र जाप में सजोड़े भाग लेते हुए श्रद्धालु।

'सामायिक से समभाव की साधना होती है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्किपेट के तत्वावधान में अक्किपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि जिन्होंने एक इंद्रिय को जीता उन्होंने पांच इंद्रियों को जीत लिया। जिन्होंने पांच इंद्रियों को जीत लिया उन्होंने चार कषाय को भी जीत लिया। सामायिक का महत्व समझाते हुए महासतीजी ने कहा कि एक सामायिक से भी हमारा कल्याण हो सकता है। सामायिक से समभाव कि साधना होती है। प्रभु ने एक सामायिक का समय अड़तालीस मिनट का बताया है। क्योंकि अड़तालीस मिनट तक मन को स्थिर रख सकते हैं। हमारी सामायिक तभी सफल हो सकती है जब हम मन को स्थिर रखकर सामायिक करें। हमारा मन बहुत चंचल है। उसको वश में करना बहुत मुश्किल है। मन को घोड़े की लगाम की उपमा दी गई है तथा मन को इतरे हुए लाडले बेटे की भी उपमा दी गई है। ध्यान के द्वारा, योग के द्वारा हम हमारे मन को वश में कर सकते हैं। महापुरुषों ने अपने मन को वश में रखकर ही सिद्ध पद को प्राप्त किया था। अभ्यास करते करते व्यक्ति सब कुछ प्राप्त कर सकता है उसी तरह मन को भी वश में कर सकता है।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि हमारे जीवन में तीन बातें होती है। पहली वेदना, यानी, जीवन में दुख का आना। जब कष्ट आते हैं तो हमें समभाव रखना चाहिए। दूसरी संवेदना। हमें दूसरे जीवों के प्रति करुणा, दया का भाव रखना चाहिए। तीसरी है अनुमोदना। हमें हमेशा दूसरों के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए।

इन तीनों बातों का ध्यान रखने से हम स्वयं और हमारे आसपास की सब लोग सुखी रह सकते हैं। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी की जन्म जयंती के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत पहले दिन रविवार को विशाल सजोड़ें जाप का आयोजन गुरु जेष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र में रखा गया। जाप में तीन सौ से अधिक पति-पत्नी के जोड़ों ने नवकार महामंत्र के जाप का लाभ लिया। सत्य बहु मंडल की तरफ से साध्वी प्रतिभाश्री के जीवन पर आधारित नाटिका की प्रस्तुति कि गई। समारोह में पधारे सभी श्रद्धालुओं को अशोककुमार महेंद्रकुमार रांका परिवार की तरफ से प्रभावना की गई। आज कार्यक्रम के दुसरे दिन पांच सामायिक करने के लक्ष्य के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया। दोपहर में चंदनबाला महिला मंडल की ओर से आओ भाग्य आजमाएं नामक धार्मिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। कल तीसरा दिन गुणगान दिवस के रूप में गोड़वाड़ भवन में आयोजित है। आज बीस स्थानक ओली तप की आराधना करने वाली श्रावक श्राविकाओं का अभिनंदन किया गया। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

ठेकेदारों के लंबित बिलों पर उपमुख्यमंत्री ने बीजेपी से कहा

'आप जो भी कर सकते हैं करें'

शिवकुमार ने कहा, 'अश्वथ नारायण को 'नवरंगी (गिरगिट) नारायण' कहा जाना चाहिए। चोरों को बचाने के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि दी जानी चाहिए। उन्होंने रामनगर आकर दावा किया कि वह सफाई की प्रक्रिया शुरू करायेंगे, क्या साफ़ किया? जिला प्रभारी मंत्री के रूप में उन्होंने रामनगर से अपनी पार्टी का सूपड़ा साफ कर दिया।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भ्रष्टाचार के आरोपों की लोकायुक्त जांच की मांग करने और राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलने के भाजपा के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को भगवा पार्टी के नेताओं से कहा कि वे जो कुछ भी कर सकते हैं, करें।

पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने घोषणा की थी कि भाजपा नेता शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर राज्यपाल से मिल रहे हैं और जांच के लिए मामले को लोकायुक्त को सौंपने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि शिवकुमार को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए। बेंगलूरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, 'अश्वथ नारायण को 'नवरंगी (गिरगिट) नारायण' कहा जाना चाहिए। चोरों को बचाने के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि दी जानी चाहिए। उन्होंने रामनगर आकर दावा किया कि वह सफाई की प्रक्रिया शुरू करायेंगे, क्या साफ़ किया? जिला प्रभारी मंत्री के रूप में उन्होंने रामनगर से अपनी पार्टी का सूपड़ा साफ कर दिया।' वह रामनगर में भाजपा की चुनावी हार का जिक्र कर रहे थे।

शिवकुमार ने कहा, 'अश्वथ नारायण अभी भी उसी तनाव में हैं। हमने अभी तक इस पर गौर नहीं किया है कि उन्होंने बेंगलूरु शहर में क्या-क्या किया है। मैं अब बात नहीं करूंगा, समय आने पर मैं विस्तार से बताऊंगा कि उन्होंने क्या काम किया है और वह किसे मेरे खिलाफ भड़का रहे हैं।'

असली ठेकेदारों की मदद के लिए हमने जांच शुरू की है। हमने इस मामले की जांच करने का फैसला किया है, चाहे कुछ भी हो। उसे किसी भी स्तर पर जाने दें, किसी के भी पास जाने दें। शिवकुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, उन्हें कोई भी खेल खेलने दीजिए या कोई अभियान चलाने दीजिए, मैं उस पर कुछ नहीं बोलूंगा।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमारने आगे कहा, 'मैं स्वतंत्रता दिवस के बाद बोलूंगा। मैंने किसी को ठेका आवंटित नहीं किया है और उनमें से कुछ मेरे पास आए और मुझसे भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के बिल जारी करने के लिए कहा। यदि काम पूरा हो गया है, तो हम बिल चुकाने के लिए बाध्य हैं।' भाजपा ने अपने कार्यकाल के दौरान बिलों को मंजूरी क्यों नहीं दी? शिवकुमार ने सवाल किया।

उन्होंने कहा, मैं दो दिन बाद दस्तावेज़ दिखाऊंगा जिसे देखकर आप चौंक जाएंगे। मुझे ठेकेदारों के लिए खेद महसूस हो रहा है कि कैसे उनका दुरुपयोग किया जा रहा है, और शर्मिंदा हूं, सब कुछ मेरी जानकारी में है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी. टी. रवि द्वारा भ्रष्टाचार को लेकर उन पर किये गये हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने कहा कि, रवि को भी इलाज की जरूरत है, आइए हम उसका अच्छा इलाज करें।

भाजपा नेता अश्वथ नारायण ने कहा कि हर परियोजना के लिए डीकेएस टैक्स और वाईएसटी लगाया गया है। वह शिवकुमार के खिलाफ 'डीकेएस टैक्स' के रूप में 15 प्रतिशत कमीशन के आरोपों और मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के बेटे डॉ. यतींद्र के खिलाफ 'वाईएसटी' के रूप में तबादलों में रिश्वत के आरोपों का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये भ्रष्टाचार के स्पष्ट संकेतक हैं और इस मुद्दे को लोगों तक ले जाया जाएगा।

अश्वत्थ नारायण ने कहा, सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का वादा किया था, लेकिन अब वह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। सरकार के खिलाफ आरोपों का अंबार है। हम राज्यपाल से डीकेएस टैक्स के आरोपों की लोकायुक्त जांच का निर्देश देने की मांग करते हैं।

पुलिस ने अभिनेता उपेन्द्र को पूछताछ के लिए बुलाया

बेंगलूरु। दलितों के खिलाफ विवादित बयान देने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद मुसीबत में फंसे कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र को कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए कहा। अभिनेता के खिलाफ एट्रोसिटी

एक्ट के प्रावधान के तहत दो एफ आई आर दर्ज की गई हैं, जिसे गैर-ज मा न ती अपराध माना जाता है। उपेन्द्र ने सोशल मीडिया पर लाइव करते हुए दलित समुदाय को अपमानित करने वाली एक कन्नड़ कहावत का हवाला दिया था, इसके बाद राज्य में बवाल मच गया था और उनके बयान की निंदा की गई। प्रतिक्रिया के बाद, निर्देशक और अभिनेता उपेंद्र ने बिना शर्त माफी मांगी और स्पष्ट किया कि उनका इरादा समाज के किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था।

अभिनेता ने बाद में सार्वजनिक प्रतिक्रिया के बाद वीडियो हटा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए माफी मांगी और इसे जुबान की फिसलन बताया।

उन्होंने लिखा, आज इंस्टाग्राम और फेसबुक लाइव पर मैंने गलती से एक गलत बयान दे दिया। जैसे ही मुझे पता चला कि इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, मैंने वीडियो हटा दिया। मैं अपने बयान के लिए माफी मांगता हूं। शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि अभिनेता को समुदायों को आहत करने वाले बयान देने में सतर्क रहना चाहिए था और अपनी लोकप्रियता को याद रखना चाहिए था।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(एक महारत्न कंपनी)
ओद्योगिक लुब्रिकेंट डिस्ट्रीब्यूटरों (ILDs)
और बाज़ार लुब्रिकेंट डिस्ट्रीब्यूटरों (BLDs) की नियुक्ति

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है और देश में सबसे बड़ा तैयार लुब्रिकेंट मार्केटर है। यह भारत की सबसे बड़ी ल्यूब बेस ऑयल रिफाइनरी का स्वामित्व रखता है और इसका संचालन करता है। एचपीसीएल के पास लोकप्रिय लुब्रिकेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला है। मिल्सी, रेसर, लाल घोड़ा, एनक्लो, गियर ड्राइव और नियोसिंथ। एचपीसीएल के पास लोकप्रिय लुब्रिकेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला है जिसका उपयोग ऑटोमोटिव, औद्योगिक, खनन, निर्माण, कृषि, मत्स्य पालन, रक्षा और रेलवे सहित अन्य प्रयोजनों में किया जाता है। एचपीसीएल नीचे दिए गए विभिन्न स्थानों पर बाजार और औद्योगिक बाजार में एचपी लुब्रिकेंट्स और ग्रीस बेचने के लिए औद्योगिक लुब्रिकेंट डिस्ट्रीब्यूटर (ILDs) और बाजार लुब्रिकेंट डिस्ट्रीब्यूटर (BLDs) नियुक्त करना चाहता है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आधार स्थान	आधार स्थान का राजस्व जिला	परिचालन क्षेत्र	KL में प्रति माह अपेक्षित मात्रा में*	एचपीसीएल क्षेत्रीय कार्यालय का पता	किसी पूछताछ के मामले में, कृपया नीचे दिए गए अधिकारियों से संपर्क करें
बाज़ार ल्यूब डिस्ट्रीब्यूटर (बीएलडी)					हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बेंगलुरु ल्यूब क्षेत्रीय कार्यालय, नंबर: 77, ओल्ड मद्रास रोड, दूरवाणीनगर डाकघर, केआर पुरम, बेंगलुरु - 560016	नागार्जुन पी. (फोन: 9727752352)
कर्नाटक	बेलगाम	बेलगाम	बेलगाम	14		
	बागलकोट	बागलकोट	बागलकोट	12		
	उत्तर कन्नड़	कारवार	उत्तर कन्नड़	12		वाई राजशेखर (फोन: 9959414603)
औद्योगिक ल्यूब डिस्ट्रीब्यूटर (आईएलडी)						
कर्नाटक	तुमकुरु	तुमकुरु	तुमकुरु	20		

*अपेक्षित मात्रा संबंधित स्थान के लिए ILD/BLD से हमारी न्यूनतम अपेक्षा है।
पात्रता मानदंड, वित्तीय, बुनियादी ढांचे, अन्य अपेक्षाओं और आवेदन करने के तौर-तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट: **https://www.hplubricants.in** पर जाएं। दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए उसी वेबसाइट पर अपलोड किए गए औद्योगिक और बाजार लुब्रिकेंट डिस्ट्रीब्यूटर चयन दिशानिर्देश (Industrial and bazaar Lube Distributor Selection Guidelines) देखें।
कोई आवेदन शुल्क नहीं है. आवेदन उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑनलाइन मोड में ही करना होगा। आवेदन और सभी प्रकार से पूर्ण किए गए सभी संलग्नक/अनुलग्नक दिनांक 14.09.2023 (आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि) को 23:59 बजे से पहले वेबसाइट पर प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
यदि आपको किसी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, तो कृपया आवेदन की अंतिम तिथि तक उपरोक्त सूची में उल्लिखित विवरण के अनुसार हमारे अधिकारियों से संपर्क करें।
भारत का सबसे बड़ा पश्चिकृत लुब्रिकेंट मार्केटर
/hpcl | /hpcl | /hpcl
www.hindustanpetroleum.com

मल्लेश्वरम् में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में देश बंटवारे की विभीषका पर प्रदर्शनी को देखते हुए पूर्व मंत्री आर अशोक एवं अन्य।

देश के बंटवारे का कारण कांग्रेस है : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आजादी की लड़ाई में लाखों लोग लड़े, उन स्वतंत्रता सेनानियों ने एक ही शर्त रखी थी कि देश का विभाजन नहीं होना चाहिए। पर भारत का 14 अगस्त को बंटवारा हुआ। यह दिन देश के इतिहास में काला दिन है। राज्य के पूर्व मंत्री आर. अशोक ने आलोचना करते हुए कहा कि देश विभाजन के लिए सीधे तौर पर तत्कालीन कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार थी। वह मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में विभाजन की विभीषका विषय पर आयोजित प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 76वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है हालांकि देश बंटवारे से स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान हुआ है। तत्कालीन नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस के हंगामे के परिणामस्वरूप जिन्ना ने यह खेल खेला था। यह कांग्रेस की संस्कृति है, उन्हें ये भरोसा नहीं था कि कश्मीर हमारा है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद लूटपाट और दंगे कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बताना चाहते हैं कि कांग्रेस ने ही देश का बंटवारा किया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि विभाजन के दौरान न केवल हिन्दुओं और ससिखों को पीटा गया, और मार भगाया साथ ही उनकी मृत्यु समारोह भी आयोजित किए गई। वही कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति आज भी जारी है। मोदी जी देश को एक साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह कश्मीर, मणिपुर और अन्य उपेक्षित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविन्द कारजोल ने कहा कि देश के विभाजन के दौरान बंटवारे के सबसे खिलाफ अब्दुर गफ्तार खान थे। उन्होंने कहा था कि स्वार्थ के लिए देश का विभाजन मत करो। यदि देश का विभाजन हो गया तो आप हमें लाहौर के पठानों को सौंप देंगे। आज पाकिस्तान आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुका है। देश के बंटवारे के बाद वहां के लोगों की जिंदगी नरक जैसी हो गई है। उन्होंने बताया कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत की ख्याति दुनिया भर में फैली है।

इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉ सी.एन. अश्वत्थनारायण, भाजपा के राज्य महासचिव और विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार, राज्य महासचिव सिद्धराज, पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष जी मंजूनाथ उपस्थित थे।

पैराशूट रेजिमेंट प्रशिक्षण केंद्र में अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड

बेंगलूरु। नई शुरू की गई अग्निपथ योजना के अग्निवीरों के दूसरे बैच ने बड़े गर्व और पारंपरिक उत्साह के साथ भारत की पैराशूट रेजिमेंट में प्रवेश किया। 278 अग्निवीरों की प्रभावशाली परेड ने 24 सप्ताह की गहन भर्ती प्रशिक्षण अवधि के सफल समापन को चिह्नित किया। नए सत्यापित सैनिक परिक्षा और चयन की एक और कठिन अवधि के लिए नामित विशेष बल इकाइयों में जाएंगे।

परेड की समीक्षा ब्रिगेडियर अर्जुन सेगन, बार टू सेना मेडल, कमांडेंट, पैराशूट रेजिमेंट ट्रेनिंग सेंटर द्वारा की गई। कमांडेंट ने अग्निवीरों को संबोधित किया और उनसे इमानदारी, वफ़ादारी, बहादुरी के लोकाचार को अपनाने का आग्रह किया। कमांडेंट ने सैनिकों को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और अभ्यास के लिए बधाई दी। उन्होंने उनके गौरवान्वित माता-पिता को भी बधाई दी और राष्ट्र में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। परेड की कमान महाराष्ट्र के अग्निवीर पाटिल मितेश सुनील ने संभाली। पुरस्कार विजेताओं में, अग्निवीर अमन शर्मा ने ओवरऑल बेस्ट रिक्रूट के लिए गिल मेडल जीता, बेस्ट इन एंड्योरेंस के लिए कमांडेंट एंड्योरेंस मेडल अग्निवीर सूरज कुमार ने जीता, फायरिंग और हथियार प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ के लिए घडगे मेडल अग्निवीर सौरभ सिंह ने जीता, चीमा मेडल के लिए शारीरिक प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ रिक्रूट का पुरस्कार अग्निवीर अखिलेश यादव को दिया गया और अग्निवीर पाटिल मितेश सुनील को ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ रिक्रूट के लिए छेत्री पदक से सम्मानित किया गया।

नाबालिग से रेप मामला

बेंगलूरु शिक्षा विभाग ने आरोपी का स्कूल कराया बंद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक शिक्षा विभाग ने बेंगलूरु के वर्थुरु इलाके में कक्षा दो की छात्रा से बलात्कार करने के आरोप में स्कूल के मालिक-प्रिंसिपल को गिरफ्तार किए जाने के बाद स्कूल में ताला लगा दिया है। सूत्रों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। आरोपियों ने कोरमंगला इलाके में स्कूल बनाने की अनुमति ली थी, लेकिन वर्थुर में स्कूल का निर्माण किया। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने आदेश जारी कर दिए हैं। इस घटनाक्रम से इस स्कूल में पढ़ने वाले 140 छात्र और उनके माता-पिता असमंजस में हैं और स्कूल के प्रतिस्थापन को लेकर चिंतित हैं।

सूत्रों के मुताबिक शिक्षा विभाग ने बच्चों के अभिभावकों को आश्वासन दिया है कि वे अपने बच्चों के लिए क्षेत्र में उनकी पसंद के स्कूल में दाखिला प्राप्त करेंगे और फीस सरकार द्वारा तय की जाएगी। अभिभावकों से कहा गया है कि वे वैकल्पिक स्कूल चुनें और अपने बच्चों का दाखिला कराएं। कक्षा दो में पढ़ने वाली दस साल की बच्ची के साथ तीन अगस्त को प्रिंसिपल ने रेप किया था।

हर घर तिरंगा

बेंगलूरु में सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के हिस्से के रूप में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राजभवन में कर्नाटक सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल एस राजेंद्र कुमार द्वारा भेंट किए तिरंगे का स्वागत किया।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)
जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-10075

30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम
(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस/सीआईआर/2021/637 दिनांक 05 अक्टूबर, 2021 के अनुसार)
(रू. करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		30 जून, 2023	30 जून, 2022	31 मार्च, 2023
		अंनकेक्षित	अंनकेक्षित	अंनकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(115.52)	(92.23)	(715.95)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(135.74)	(102.54)	(769.63)
4.	कर पश्चात अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(135.74)	(102.54)	(769.63)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात)**	(135.74)	(102.54)	(769.63)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयरधारकों की निधि)***	5,78,887.53	3,93,117.34	4,95,321.32
7.	अधिशेष (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित छोड़कर)	-	-	-
8.	नेटवर्थ (6-7)	5,78,887.53	3,93,117.34	4,95,321.32
9.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	3,42,342.09	3,44,333.14	3,43,114.24
10.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	-	-	-
11.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.59	0.88	0.69
12.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ..... /- का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु) - 1. बेसिक 2. डाल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
13.	पूंजी विमोचन संचित कोष	-	-	-
14.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	-	-	-
15.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण भारत सरकार की ओर से सम्पत्ति धारण करता है, इसलिए परिचालनों से कोई आय नहीं है।
**प्राधिकरण की लेखा नीति के अनुसार निवल व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।
***शेयरयधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण के पश्चात् जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।
****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि
क) उपरोक्त एलओडीआर विनियम 52 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप के सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों यानि (**www.bseindia.com** तथा **www.nse.india.com**) पर तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का वेबसाइट (**https://nhai.gov.in**) पर उपलब्ध है।
ख) एलओडीआर विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए प्रासंगिक प्रकटन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में किए गए है और वेबसाइटों (**www.bseinida.com** तथा **www.nse.india.com**) पर देखे जा सकते हैं।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से
दिनांक: 14.08.2023 ह./- ह./-
स्थान: नई दिल्ली सदस्य (वित्त) अध्यक्ष

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

कलबुर्गी में जनस्नेही पुलिस अभियान की शुरुआत

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। यहां ग्रामीण विकास और पंचायत राज और कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि लोग हम पर तभी भरोसा करेंगे जब हमारे कार्यों में पारदर्शिता होगी, कर्तव्य की सख्त भावना होगी और हमारा व्यवहार सही होगा। वह शहर में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनस्नेही पुलिस अभियान का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस को दबाव में ड्यूटी करनी पड़ रही है। कर्तव्य पालन के दौरान कुछ पुलिसकर्मी बीमार भी पड़ गये हैं। एक तरफ ड्यूटी और दूसरी तरफ वीआईपी की सुरक्षा के बीच काम करना पड़ता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार आपकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव आपके साथ है।

कलबुर्गी में पुलिस प्रणाली को लोगों के अनुकूल बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया गया है और कलबुर्गी जिले में जनस्नेही

कलबुर्गी में सोमवार को पुलिस विभाग को लोगों के अनुकूल बनाने और आम लोगों की समस्याओं को आसानी से हल करने के लिए 'जनस्नेही पुलिस अभियान' का उद्घाटन करते हुए मंत्री प्रियांक खरगे।

पुलिस अभियान लागू किया जा रहा है। समस्याओं के समाधान के लिए आने वाले आम लोग क्यूआर कोड के माध्यम से पुलिस स्टेशनों में कर्मचारियों और अधिकारियों के व्यवहार को रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस संहिता के पीछे का उद्देश्य आपके कर्तव्यों के प्रदर्शन के साथ-साथ आम जनता के हित में निगरानी करना है। शहर के सभी पुलिस स्टेशनों और जिले के सभी पुलिस स्टेशनों में जनता द्वारा उपयोग किए जाने वाले गेटों के पास क्यूआर कोड अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा।

समस्याओं के समाधान, न्याय के लिए शिकायत दर्ज कराने, विवादों के समाधान के लिए थाने आने वाली जनता के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना पुलिस का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी जिले में पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से जनस्नेही पुलिस अभियान लागू करने का निर्णय लिया गया है। मंत्री ने कहा कि जब पुलिस का आम लोगों से अच्छा रिश्ता होगा तभी उन्हें समाज में क्या हो रहा है इसकी जानकारी मिलेगी और इससे लोगों के बीच झगड़े और सांप्रदायिक दंगों को रोकने में खुफिया विभाग को मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस संदर्भ में पुलिस को और अधिक जन-अनुकूल बनने की जरूरत है।

सफल जीवन और जीवन में सफलता के फर्क को समझें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के तत्वावधान में आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी स्वामी के सान्निध्य में 'एक्सप्लोर – द पावर विदिन' का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया। मुनिश्री हिमांशु कुमारजी के मंगल मंत्रोच्चार के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में सफल जीवन एवं जीवन में सफलता के अंतर को उदाहरणों के माध्यम से प्रकाशित किया। आपने कहा कि आज हर व्यक्ति आलस्य, खालीपन, डर और चिंता से ग्रसित है, इन सब से मुक्ति पाने के लिए व्यक्ति को स्वयं के अंदर से परिवर्तन करना अपेक्षित है।

किसी की प्रेरणा से व्यक्ति केवल कुछ कदम चल सकता है पर यदि व्यक्ति खुद की अंतः प्रेरणा से चलने का प्रयत्न करे तो मंजिल तक पहुंच सकता है। इस हेतु मनुष्य को अपने अंदर छिपी शक्तियों को पहचानना होता है जो उसके जीवन को सफल बना सकें।

मुनिश्री ने आगे सफलतम जीवन के लिए तीन सूत्रों की विशेष चर्चा की – थिंक बिग, स्टार्ट स्मॉल एवं स्केल कंसिस्टेंटली। कार्यशाला में लगभग 100 संभागियों ने भाग लिया। जंबल वर्ड्स एवं लोगो क्विज के विजेताओं को तेयुप अध्यक्ष रजत बैद, उपाध्यक्ष विवेक मरोठी एवं मंत्री रोहित कोठारी ने पुरस्कारों से सम्मानित किया। संयोजक राकेश कुमार चोरड़िया ने विशेष श्रम नियोजित किया। उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, सहमंत्री संदीप चोपड़ा, कोषाध्यक्ष तरुण पटावरी, विमल धारीवाल, मोहित सुराणा का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ । कार्यशाला में प्रदीप चौपड़ा, मनीष भंसाली, प्रकाश सालेचा, पंकज भंडारी, अमित भंडारी आदि कार्य समिति सदस्य एवं साधारण सदस्यों के साथ श्रावक श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

शहीद के परिजनों का अभिनंदन समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में एकल श्रीहरी वनवासी विकास फाउंडेशन द्वारा शहीद परिवार अभिनंदन समारोह कार्यक्रम रखा गया था जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत ॐ मंत्र से की गई। गणेश वंदना नीरा लड्ढा और आशा बिसानी ने किया। इंदु ने 'ए मेरे वतन...आबाद रहे' देश भक्ति का गीत से सभी का दिल जीत लिया।

दीप प्रज्वलन एकल अभियान के प्रणेता श्याम गुप्त, एकल ग्राम संगठन के अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, फेडरेशन ऑफ़ कर्नाटक चैम्बर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश चंद्र लाहोटी, फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण काबरा, मुख्य अतिथि नेचुरल रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, सूबेदार जोगेंद्र सिंह सेंगर, वनबंधु परिषद दक्षिण जोन के अध्यक्ष रमेश अग्रवाला, मुंबई चैप्टर से विजय केडिया, बेंगलूरु चैप्टर प्रेसिडेंट सुरेश कुमार मोदी, महिला समिति की प्रेसिडेंट कांता सोमानी, आईवीएफ महिला समिति की प्रेसिडेंट रितु अग्रवाल ने किया।

महिला समिति की अध्यक्ष कांता सोमानी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महिला समिति बेंगलूरु का गठन अप्रैल 2023 में हुआ। इतने कम समय में 50 से ज्यादा समिति सदस्य जुड़ चुके हैं। कर्नाटक के 750 ग्राम में श्रीहरि सत्संग समिति संस्कार केंद्र की गतिविधियां चल रही है। राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण काबरा ने संपूर्ण वनवासी विकास फाउंडेशन की गतिविधियों की जानकारी दी। एकल ग्राम संगठन के प्रमुख कमलकांत शर्मा ने कहा कि एकल अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। अपने सेना के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा पहले जम्मू कश्मीर में हालात बहुत खराब थी। आज मजबूत सरकार के निर्णय से जम्मू कश्मीर में शांति बहाल हुई है, देश में सेना का सम्मान बढ़ा है। एकल अभियान के प्रणेता श्याम गुप्त ने वर्तमान हालातों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के अमृत काल में भी आजादी का लाभ अर्थात सरकारी योजना का सीधा लाभ वनवासी व ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे इसका ख्याल एकल अभियान कर रहा है। उन्होंने कहा कि जितने भी परिवार का सम्मान किया जा रहा है वें सभी ग्रामवासी है। आजादी का पहला हक उनको देना चाहिए। उनका मानना है कि हमें उन्हें मिलकर प्यार और स्नेह करते रहना चाहिए।

कर्नाटक में संचालित एकल विद्यालय के ग्राम से 32 परिवार जो वनवासी क्षेत्र से आते हैं उन्हें नेचुरल रेमेडीज की तरफ से 21,000/- का चेक और अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला समिति की ओर से उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एकल अभियान आयाम के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण, दक्षिण जोन के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता, एकल श्रीहरि वनवासी विकास फाउंडेशन की महिला समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया था। मंच संचालन सचिव पूजा पाण्डिया और सरिता लखानी ने किया। धन्यवाद रेखा मूंदड़ा ने किया।

छोटा सा अनुष्ठान भी विधि पूर्वक किया जाए तो फलदायी बनता है : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सोमवार को जे.पी.पी. श्रमणी भवन में श्रद्धा भाव से सुनने आये श्रावक एवं श्राविकाओं को पांच अभिगम के बारे में समझाते हुए मुनिश्री राजपद्मसागरजी म .सा. ने कहा कि पहला अभिगम है सचित का त्याग करना। अचित का अत्याग करना। अंजलिबद्ध प्रणाम करना। उत्तरासन यानी कंधे के ऊपर केश रखना और प्रणिधान। इस प्रकार से पांच अभिगम की पालना करते हुए, परमात्मा का अनुष्ठान करना चाहिए। छोटा-सा भी अनुष्ठान अगर शुद्धिपूर्वक, आचार शुद्धि एवं भावशुद्धि के साथ करेंगे तो वह अधिक फल देन वाला बनता है। उन्होंने कहा कि हम ज्यादातर देखादेखी में धर्म करते हैं। देखादेखी में धर्म नहीं करना चाहिए। जिनवाणी के अनुसार धर्म क्रिया और अनुष्ठान के हिसाब से धर्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम डॉ. की दी गई दवाई को पूरे विश्वास के साथ लेते हैं वैसे ही अरिहंत परमात्मा के वचनों के ऊपर पूर्ण विश्वास रखकर धर्माराधना करनी चाहिए।

आज पुष्प नक्षत्र में ऋषि मंडल स्तोत्र का पाठ द्वारा मुनिश्री ने उसकी महिमा बतलाई। मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा ने कहा शुद्ध भावो से अरिहंत परमात्मा की पूजा करे तो मन के संताप दूर होते है, मन में प्रसन्नता आती है, इसीलिए प्रभु की पूजा करते समय मन को शुद्ध रखना है। संघ सचिव नरेंद्र आछा ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर गुरुदेव की निश्रा में विशेष आयोजन किया गया है।

'जिनशासन में जन्म के साथ ही बहुत सौभाग्य मिला है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में मुनिश्री मेरुपद्मसागरजी के जन्म दिवस पर आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरिजी ने कहा कि हम जिनशासन का हिस्सा है। इस जिनशासन ने हमें वास्तविक जीवन दिया है। कई जन्मों में ठोकरे खाते हुए भटक-भटक कर अब भाग्य से यह जन्म हमने पाया है और जन्म पाते ही यहां बहुत कुछ पाया है। उन सब में हमें जिनेश्वर भगवान से कथित-प्ररूपित जिनशासन को पाना हमारा भाग्य-सौभाग्य ही नहीं अपितु परम सौभाग्य है।

जिनशासन को तो पाया किन्तु इतनी लायकात न होने के बावजूद जिनशासन ने और चतुर्विध संघने हमें अपनाया। हमें अपना माना और इतना प्यार दिया यह अनमोल है। एक परिवार के सदस्य की जैसी और जितनी देखभाल-आवश्यकताओं की पूर्ति और सेवा चाकरी जितनी होती है उससे भी कहीं ज्यादा हमारी सवा भक्ति की जा रही है। सच में जिनशासन महान है। संघ महान है। इस शासन के लिए इस संघ के लिए इनकी स्तुति गुणगान के लिए हमारे पास शब्द नहीं है।

आज के दिन ही नहीं जन्मों जन्म तक हम इस संघ के शासन के ऋणी है। इस शासन और संघ के प्रति हम नतमस्तक है। इन नाकुछ जीवों को अस्तित्व देकर हमें आज महान बनाया है। इतना ऊंचा दर्जा दिया है। गौरव दिया है। इस अवसर पर अर्हमपद्मसागरजी, संघ के अध्यक्ष प्रकाश, अशोक ने मंगल कामनाएं दी जन्म दिन के निमित्त कई प्रकार के धार्मिक आयोजन हुए।

जीतो महिलाओं द्वारा डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षण प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय योजना सेंटर फॉर एक्सिलेंस के अन्तर्गत कौशल विकास हेतु ऑनलाईन डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। तीन सप्ताह का यह कंप्यूटर शिक्षा प्रशिक्षण शिविर आईटी गुरुजी के प्रशिक्षण में आयोजित हो रहा है और इसमें देश-विदेश के कई लोग जुड़कर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आईटी गुरुजी के संस्थापक समकित पारिख प्रशिक्षुओं को मार्केटिंग में डिजिटल तकनीक द्वारा अपने व्यवसाय एवं उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने के तरीके समझायेंगे।

उन्होंने शिविर प्रारंभ पर कहा कि आज सबकुछ ऑनलाइन होता जा रहा है। आज हम शॉपिंग, टिकट बुकिंग, रिचार्ज, बिल पेमेंट आदि जैसे कई काम हम इंटरनेट के ज़रिये कर रहे है। आज हम बाजार पर नज़र डालें तो लगभग 80 प्रतिशत ग्राहक किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले या सर्विस लेने से पहले ऑनलाइन रिसर्च करता है। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग क्या है, उसके लाभ, टूल्स आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप, वैबसाइट विज्ञापन या किसी ओर एप्लीकेशन द्वारा हम इससे जुड सकते हैं। व्यापारी जो अपना सामान बना रहा है, वो आसानी से ग्राहक तक पहुंचा रहा है और इससे डिजिटल व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले विज्ञापन के लिए अख़बार, पेम्फ़लेट, बेनर, होल्डिंग्स और विज्ञापन ऑटो आदि का सहारा लेना पड़ता था परंतु अब सीधा उपभोक्ता तक सामान भेजा जा सकता है। हर व्यक्ति गूगल, फेसबुक, यूट्यूब आदि उपयोग कर रहा है, जिसके द्वारा व्यापारी अपना उत्पाद-ग्राहक को दिखाता है इस तरीके से व्यापार सबकी पहुंच में आता जा रहा है। इस त्रिसाप्ताहिक प्रशिक्षण में आईटीगुरु प्रशिक्षुकों को सर्च इंजन औप्टीमाइज़ेशन या ऊएज, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, ईमेल मार्केटिंग, यूट्यूब चेनल, अफिलिएट मार्केटिंग, पे पर क्लिक, एडवर्टाइज़िंग, एप्स मार्केटिंग के बारे में सिखायेंगे।

जीतो अपेक्स महिला विंग निदेशक सुनीता बोहरा एवं अध्यक्ष संगीता ललवानी ने महिलाओं के इस व्यावसायिक प्रयास पर शुभकामनाएँ संप्रेषित की। राष्ट्रीय महामंत्री शीतल दुग्गड ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग एक ऐसा माध्यम बन गया है जिससे कि व्यापार को बढ़ाया जा सकता है। शिविर का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया ने महिला विंग के इस आयोजन की सराहना की। संयोजिका भाविका कोठारी एवं सह-संयोजिका तनुजा मेहता ने प्रशिक्षक का परिचय दिया एवं संचालन किया। सुष्मिता सेठिया, किरण लुनिया, रेखा जैन, कोमल बोथरा, जिग्रा कपासी आदि लगभग 67 प्रशिक्षुक इसमें जुड़े। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया तथा आभार महामंत्री सुमन वेदमुथा ने व्यक्त किया।

इन्द्रा किंग्स बनी एसपीएल सीजन-3 की चैम्पियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बेलेपेट सीरवी यूथ एसोएिशन के तत्वावधान में सीरवी प्रीमियर लीग एसपीएल सीजन 3 का आयोजन रविवार को विद्यारयणपुरा रोड़ स्थित बेल मैदान हुआ। इस प्रतियोगिता में सीरवी समाज की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में एसआर सुपर किंग्स टीम का मुकबला इन्द्रा किंग्स टीम से हुआ था। जिसमें इन्द्रा किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसपीएल सीजन 3 ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। वही उपविजेता एस. आर. किंग्स रही। इस अवसर पर इन्द्रा किंग्स टीम के प्रयोजक इन्द्रलाल सोलंकी सुकंटकट्टे ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विजेता व उपविजेता टीम को कप प्रदान किया गया तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरूस्कार दिया गया। बलेपेट बडेर के अध्यक्ष हरीराम गहलोत ने सभी विजेताओं को धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता के आयोजक भंवरलाल सोलंकी ,किशोर परिहारिया, प्रकाश सोयल, विनय काग, दीपक देवड़ा, संजु मुलेवा, प्रमोद राठौड़, ललित परिहारिया, दिनेश एलआईसी परिहार, मीठालाल परिहार, अनिल हाम्बड़, रमेश आगलेचा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बलेपेट वडेर के उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, खेल मंत्री कैलाश भायल, खेल मंत्री दुदाराम काग, सह-सचिव भंवरलाल गहलोत, राजूराम बर्फा, सुरेश सेंणचा उमेद सीरवी, पूर्व सचिव नारायणलाल लचेटा, महालक्ष्मी लेआउट नवयुवक मंडल के अध्यक्ष बाबूलाल सीरवी, सुकंदकट्टे बडेर के अध्यक्ष रूगाराम चोयल, सचिव हनुमानराम बर्फा, सीरवी कर्नाटक महासभा के अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

अगले शैक्षणिक वर्ष से कर्नाटक में एनईपी को खत्म कर दिया जाएगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि वह अगले शैक्षणिक वर्ष से पिछली भाजपा सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को खत्म कर देगी। पार्टी सदस्यों की आम बैठक का उद्घाटन करने के बाद केपीसीसी कार्यालय में बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने घोषणा की, पिछली भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई एनईपी को अगले शैक्षणिक वर्ष से खत्म कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, एनईपी को खत्म करने से पहले कुछ आवश्यक तैयारी करनी होगी। चालू शैक्षणिक वर्ष में इसके लिए समय उपलब्ध नहीं था। चुनाव के बाद जब सरकार बनी तो शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि एनईपी को अचानक खत्म करने की स्थिति में छात्रों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए एनईपी इस शैक्षणिक वर्ष में जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोप लगाया, एनईपी को छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और व्याख्याताओं के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा ने राज्य में एनईपी को प्रयोगात्मक आधार पर लागू करके राज्य के छात्रों के हितों का बलिदान कर दिया है। सभी राज्यों में इसे लागू नहीं किया गया है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने घोषणा की थी कि कांग्रेस राज्य में एनईपी लागू नहीं करेगी। उन्होंने कहा था कि इसकी बजाय सरकार एक नई शिक्षा नीति बनाएगी। शिवकुमार ने नागपुर में मुख्यालय वाले आरएसएस से जोड़ते हुए एनईपी को 'नागपुर शिक्षा नीति' भी करार दिया था। शिवकुमार ने कहा, एनईपी पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए थी। मैं अपनी पसंद से एक शिक्षा विशेषज्ञ हूं। मैं शिक्षा संस्थान चलाता हूं तथा विभिन्न संस्थाओं में ट्रस्टी अथवा अध्यक्ष के पद पर हूं। मैं एनईपी को समझ नहीं पा रहा हूं। मैंने दो-तीन बार अध्ययन करने और समझने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। शिवकुमार ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों के साथ चर्चा के बाद भी एनईपी का सार समझ में नहीं आ रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोप लगाया था कि एनईपी का उद्देश्य छात्रों को सांप्रदायिक बातें सिखाना है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा था, कर्नाटक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में लगभग तीन साल लग गए। यू.आर. राव की अध्यक्षता वाली समिति बनी। सभी राज्यों से सहमति प्राप्त की गई। इसके बाद, कार्यान्वयन से पहले, एक टास्क फोर्स का गठन किया गया और फिर इसे उच्च और प्राथमिक शिक्षा में लागू किया गया।

नैतिकता के नाम पर मारपीट के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने सुल्लिया में नैतिकता के नाम पर एक समूह द्वारा एक व्यक्ति के साथ कथित मारपीट किये जाने के संदेह में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मोहम्मद जलील (39) की शिकायत के आधार पर यह गिरफ्तारी की गयी है। जलील केरल के मलाप्पुरम का रहने वाला है तथा सुल्लिया के अरानथोडू में उसका रबर का बागान है। अपनी शिकायत में जलील ने कहा कि उसकी परिचित एक महिला मडिकेरी से आयी थी और उसने आराम के लिए किराये पर एक कमरे का इंतजाम करने में उसकी मदद मांगी। जलील के अनुसार, कमरा का इंतजाम कर जब वह अरानथोडू लौट रहा था तब पांच लोग कार एवं स्कूटर से आये और उन्होंने उसकी गाड़ी रोक दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि गिरोह के सदस्यों ने उसके साथ गाली-गलौज तथा मारपीट की तथा वहां से जाने से पहले जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में पांच व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तीन संदिग्धों-- लतीश, वर्षित एवं पुनीत की पहचान की गयी है। पुलिस के अनुसार, पुनीत को सोनानगेरी से गिरफ्तार किया गया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर फोटो प्रदर्शनी

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। 14 अगस्त को पूरे देश में 'विभाजन भयावह स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन की परिकल्पना विभाजन के पीड़ित लाखों लोगों की पीड़ा, पीड़ा और पीड़ा को प्रकाश में लाने के लिए की गई है। यह देश को पिछली शताब्दी में मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाने के लिए है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान भी गई थी। इसके उपलक्ष्य में, विभाजन प्रभावित लोगों की पीड़ाओं को प्रदर्शित करने के लिए सोमवार को एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी निंगय्या दानय्या शीशमब्रिमठ ने दीप प्रज्वलित कर फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता सेनानी स्व. देवेन्द्रकुमार हाकारी के पुत्र रविशंकर डी. हाकारी, स्वतंत्रता सेनानी स्व. जगन्नाथ राव कुलर्णी के पुत्र दत्तराज कुलकर्णी भी उपस्थित थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने स्वतंत्रता सेनानियों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। कुंडगोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एमआर पाटिल, हुब्बल्ली धारवाड़ सेन्ट्रल के विधानसभा सदस्य महेश तेंगिनाकाई, दपरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक यू. सुब्बाराव, हुब्बल्ली मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ (मुख्यालय) की अध्यक्ष डॉ. वंदना श्रीवास्तव, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यू डब्ल्यूओ-हुब्बल्ली डिवीजन की अध्यक्ष रुचि खरे, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के. आसिफ हफीज, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक हरेथा एस. दपरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े और अन्य उपस्थित थे। हुब्बल्ली डिवीजन के धारवाड़, बेलगावी, विजयपुरा, होसपेटे, बल्लारी, वास्को डी गामा, गडग, कोप्पल, बागलकोट स्टेशनों पर भी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस हमें सामाजिक विभाजन, वैमनस्य के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर में 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सभी को आश्वस्त किया कि सरकार जनता की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने एक एक कर सभी लोगों से मुलाकात की, उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लेकर इस निर्देश के साथ अधिकारियों को दिए कि वे इनका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि परक निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने सभी को समस्या के समाधान का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनके रहते किसी को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है और सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें, और इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

पूर्वी लद्दाख विवाद : भारत व चीन ने सैन्य वार्ता की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले शेष स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने और क्षेत्र में तनाव कम करने के मद्देनजर सोमवार को नए दौर की सैन्य वार्ता की। सैन्य सूत्रों ने बताया कि कोर कमांडर स्तरीय 19वें दौर की बातचीत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारतीय क्षेत्र में चुशुल-मोल्डो में हुई।

पूर्वी लद्दाख में कुछ बिंदुओं पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तीन साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है। हालांकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। सूत्रों ने बताया कि बातचीत सुबह करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुई और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वार्ता जारी थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल रशीम बाली कर रहे हैं। इस कोर का मुख्यालय लेह में है। चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के कमांडर कर रहे हैं। इससे पहले, 23 अप्रैल को 18वें दौर की सैन्य वार्ता हुई थी जिसमें भारतीय पक्ष ने देपसांग और डेमचोक के लंबित मुद्दों पर जोर दिया था।

कांग्रेस और मुस्लिम लीग की 'करतूत का कलंक' है 'विभाजन की विभीषिका': नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को आरोप लगाया कि विभाजन की विभीषिका, कांग्रेस और मुस्लिम लीग की करतूत का कलंक है।

उत्तर प्रदेश के बरेली में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में नकवी ने यह भी कहा कि आजादी का जश्न, विभाजन के ज़ख़्म, जुर्म के अहसास के बिना अधूरा है।

उनका कहना था, इस जुर्म, जुल्म की जहरीली जुगलबन्दी के जाल' से आज भी सावधान रहने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया, कांग्रेस और मुस्लिम लीग की 'कम्युनल (सांप्रदायिक), क्रिमिनल (आपराधिक) करतूत का कलंक' है। नकवी ने कहा कि यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य के जहर को खत्म करने के लिए ना केवल प्रेरित करता है, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होती हैं।

आधारभूत अवसंरचना की परियोजनाओं में 'भ्रष्टाचार' देश को तबाही की ओर ले जा रहा है: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार के शासनकाल में आधारभूत अवसंरचना की परियोजनाओं में 'भ्रष्टाचार और लूट' देश को तबाही की ओर ले जा रहा है। उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षा की 'द्वारका एक्सप्रेसवे' से संबंधित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने 'एक्स' (पूर्व नाम ट्वीटर) पर पोस्ट किया, भाजपा का भ्रष्टाचार और लूट देश को तबाही की ओर ले जा रहा है! मोदी सरकार के खिलाफ एक रिपोर्ट में कैग ने बताया है कि भारतमाला परियोजना में अनगिनत कमियां हैं, मापदंडों की अनुपालना नहीं हुई है, निविदा बोली प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन हुआ है, एवं धन का भारी कुप्रबंधन है। उन्होंने दावा किया, इस परियोजना में धोखाधड़ी का एक ज्वलंत उदाहरण द्वारका एक्सप्रेसवे है।

कैग ने खुलासा किया है कि इस परियोजना की लागत मूल रूप से 528.8 करोड़ रुपए अनुमानित की गई थी, लेकिन बाद में बढ़कर 7287.2 करोड़ रुपए हो गई – 1278 प्रतिशत की भारी वृद्धि !! खरगे ने आरोप लगाया कि बिना किसी विस्तृत रिपोर्ट के द्वारका एक्सप्रेसवे का मूल्यांकन और अनुमोदन किया गया।

प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को लगातार 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे जो अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले लाल किले से उनका आखिरी संबोधन होगा।

प्रधानमंत्री मोदी इस वार्षिक कार्यक्रम का उपयोग अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करने, प्रमुख योजनाओं का अनावरण करने और देश के लिए अपना भावी दृष्टिकोण रखने के लिए करते रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री 2014 के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास की रूपरेखा सबके सामने रख सकते हैं और आने वाले वर्षों के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने पिछले संबोधनों में भी किया है। प्रधानमंत्री के संबोधनों के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जाते रहे हैं, ऐसे में कहा जा रहा है कि इस बार के उनके संबोधन में भी आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कोई ना कोई राजनीतिक संदेश भी हो सकता है। मोदी स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधनों में विपक्षी दलों पर कोई सीधा राजनीतिक हमला करने से बचते रहे हैं, लेकिन उन्होंने अक्सर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दों पर विपक्ष पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों के कार्यकाल को वह नीतिगत पंगुता का दौर बताते रहे हैं और उसके बाद अपनी सरकार में शासन में आए बदलावों पर जोर भी देते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में अक्सर भारत के बढ़ते वैश्विक कद का उल्लेख किया है और राष्ट्रीय हित के साथ ही सुरक्षा और विदेश नीति पर भी प्रकाश डाला है। वर्ष 2014 में लाल किले की प्राचीर से अपने पहले स्वतंत्रता दिवस भाषण में उन्होंने स्वच्छ भारत और जन धन खातों जैसे कई नए कार्यक्रमों की घोषणा की थी। इसके बाद भी उन्होंने इस दिन कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराध और सामाजिक संघर्ष जैसी सामाजिक बुराइयों सहित कई मुद्दों पर नागरिकों के साथ जुड़ने की कोशिश की है।

कोसी बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने पर बिहार सरकार ने अलर्ट जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/सुपौल/सहरसा/भाषा। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद कोसी बांध से चार लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के मद्देनजर बिहार सरकार ने सोमवार को अलर्ट जारी किया। बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा के अनुसार, रविवार रात सुपौल जिले के बीरपुर में 4.62 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया जो लगभग तीन दशकों में एक दिन में छोड़े गए पानी की सर्वाधिक मात्रा है।

संजय ने संवाददाताओं से कहा, आखिरी बार हमने इसे अधिक पानी छोड़ा जाना वर्ष 1989 में देखा था जब 4.72 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। जैसा कि कोसी क्षेत्र में हमेशा से होता रहा है, यह नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि सुपौल जिले में पानी तेजी से बढ़ना शुरू हो गया है, जहां बीरगंज में लगभग दो बजे तड़के पानी छोड़ा गया। संजय ने कहा कि 'कल तक' निकटवर्ती सहरसा और खगड़िया में भूमि के जलमग्न होने की आशंका है। हालांकि, मंत्री ने यह भी कहा, हमारे विभाग के अधिकारी और इंजीनियर अलर्ट पर हैं और तटबंधों पर चौबीस घंटे गश्त की जा रही है। लोग टोल फ्री नंबर डायल करके हमारे कॉल सेंटर के माध्यम से भी हमसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों और तटबंधों के करीब रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। मंत्री ने वर्ष 2008 की बाढ़ की पुनरावृत्ति की आशंकाओं को खारिज कर दिया जब नदी के मार्ग में बदलाव के कारण कोसी क्षेत्र में बाढ़ आई थी, जिसमें लगभग 500 लोगों की जान चली गई थी और करीब 30 लाख लोग प्रभावित हुए थे।

भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को राजनीति में अपना उचित स्थान हासिल करना चाहिए और भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए। राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर 'इंदिरा फेलोशिप' के लिए आवेदन करने से जुड़ा एक लिंक भी साझा किया। 'इंदिरा फ़ेलोशिप' भारतीय युवा कांग्रेस की एक पहल है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत वास्तव में तभी सफल होगा जब महिलाओं को हमारे समाज में बराबरी का स्थान मिलेगा। 'इंदिरा फेलोशिप' महिलाओं को सशक्त बनाने और राजनीति में बदलाव लाने का प्रयास करती है। उन्हें राजनीति में अपना उचित स्थान लेना चाहिए और भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए – आधी आबादी, पूरा हक!

दुनिया एक दिन कन्याश्री दिवस को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के तौर पर मनाएगी : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की 'कन्याश्री' योजना एक 'ब्रांड' बन गई है और 'कन्याश्री दिवस' एक दिन दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

बनर्जी ने यहां 'कन्याश्री दिवस' की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, कन्याश्री' अब एक ब्रांड है और यह दुनिया भर में 'सुनहरे अक्षरों में लिखा' गया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस दिन (कन्याश्री दिवस) को भविष्य में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने उस गर्व के क्षण को याद किया, जब उन्हें इस योजना के लिए 2017 में संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार (यूएनपीएसए) प्राप्त हुआ था, जिसने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दुनिया भर के कई अन्य देशों को पीछे छोड़ दिया था। उन्होंने याद करते हुए कहा, जब हमने पुरस्कार जीता, तब मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने 'लोगो' तैयार किया था। कन्याश्री प्रकल्प का गीत मेरे द्वारा लिखा गया था। यह योजना पश्चिम बंगाल में आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों की 13 से 19 वर्ष की किशोरियों के लिए एक सशर्त नकद अंतरण योजना है, ताकि उनकी शादी 18 वर्ष की आयु के होने से पहले न हो सके। इसे 2012 में शुरू किया गया था।

'कन्याश्री प्रकल्प' ने अपने सुशासन के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रशंसा भी हासिल की है।

ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं शत्रुघ्न

पटना/भाषा। अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखना पसंद करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं और बनर्जी पार्टी की अध्यक्ष हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा का यह बयान उस सवाल के जवाब में आया जब उनसे पूछा गया कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कैसे देखते हैं। उन्होंने यहां पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह देश के लिए बहुत अच्छा होगा कि ऐसे समय में जब हमारे पास राष्ट्रपति के रूप में एक महिला हैं, तो प्रधानमंत्री के रूप में भी एक महिला ही हों। ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार नेता, जिनके पास जनाधार है, इस स्थिति में उपयुक्त रहेंगी।

लोकसभा में आसनसोल का प्रतिनिधित्व करने वाले सिन्हा ने लगे हाथ यह भी कहा, प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। मेरा कहना यह है कि हमारे पास यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में प्रतिभावान नेताओं की कोई कमी नहीं है।

चुनावी राज्यों में गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं का 'त्रस्त जीवन' असली मुद्दा : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के पक्ष में अच्छे परिणाम की उम्मीद जताते हुए कहा कि इन तीनों राज्यों में असली मुद्दे गरीबों, बेरोजगारों, किसानों व महिलाओं का 'त्रस्त जीवन' है और इन्हीं मुद्दों पर उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव में उतरेगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर सोमवार को सवाल उठाते हुए लिखा, मध्यप्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस व भाजपा के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप, मुकदमों आदि की राजनीति से कमरतोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शोषण-अत्याचार आदि जनहित से जुड़े ज्वलंत मुद्दों का चुनाव के समय पीछे छूट जाना कितना उचित? ऐसा क्यों? अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि भाजपा-शासित मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि कांग्रेस शासित राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा है।

गोली लगने से घायल भाजपा नेता की मौत, झारखंड में विरोध प्रदर्शन

लातेहार (झारखंड)/भाषा। गोली लगने से घायल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की सोमवार सुबह मौत हो गई। इसके बाद लातेहार जिले में भाजपा नेता के समर्थकों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। लातेहार जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू को शनिवार शाम बालूमाथ इलाके में दून स्कूल के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी।

लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंजनी अंजन ने कहा कि साहू को कमर, पेट और पैर में गोली लगी थी। सोमवार तड़के रांची के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जैसे ही साहू की मौत की खबर उनके समर्थकों तक पहुंची, उन्होंने मुरपा मोड़ के पास चतरा-रांची व बालूमाथ-पांकी सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए। साथ ही सड़क किनारे खड़े एसयूवी में भी आग लगा दी।

इटावा सफारी पार्क में शेरनी 'सोना' के पांचवें शावक की भी मौत

इटावा (उप्र)/भाषा। इटावा सफारी पार्क (पूर्व में शेर सफारी) में सोना नामक शेरनी के पांचवें शावक की भी मौत हो गई। सफारी पार्क की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इटावा सफारी पार्क की निदेशक दीक्षा भंडारी ने बताया कि शेरनी सोना के पांचवें शावक की भी मौत हो गई। शेरनी सोना ने पांच शावकों को जन्म दिया था, जिसमें चार शावकों की पहले ही मौत हो चुकी थी। भंडारी ने बताया कि शनिवार की शाम खाने में शावक को दूध दिया गया और दूध पीने के कुछ समय बाद उसने उल्टी कर दी। इसे देखकर सफारी के चिकित्सकों ने आनन-फानन में उसका उपचार शुरू किया। शावक का दो घंटे इलाज हुआ लेकिन उसने दम तोड़ दिया। शावक को बचाया नहीं जा सका। दीक्षा भंडारी ने बताया कि शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली भेजा गया है।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 25-26 अगस्त को पटियाला में, किसी भी पहलवान को छूट नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में कुश्ती का संचालन कर रही तदर्थ समिति ने सोमवार को बताया कि विश्व चैम्पियनशिप के लिए 25 और 26 अगस्त को पटियाला में ट्रायल का आयोजन होगा जिसमें किसी भी पहलवान को छूट नहीं मिलेगी।

एशियाई खेलों के ट्रायल से बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को दी गई छूट से भारी हंगामा हुआ था और कुश्ती जगत के अधिकांश लोगों ने तदर्थ समिति के इस फैसले की आलोचना की थी। समिति ने 16-24 सितंबर तक बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में किसी भी पहलवान को छूट नहीं देने की घोषणा की। विश्व चैम्पियनशिप के लिए खिलाडियों के चयन के लिए तय मानदंडों में तदर्थ पैनल ने कहा, 2022 और 2023 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय/रैंकिंग/एशियाई/विश्व चैंपियनशिप/राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और प्रतिभागी के अलावा 2021 टोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रतिभागी इस ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। बजरंग और विनेश ने अभी तक इस ट्रायल में शामिल होने का मन नहीं बनाया है

क्योंकि उनका मानना है कि 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेल बहुत करीब हैं। विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए पहली क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। खिलाड़ियों के नामों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तारीख 16 अगस्त है लेकिन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों को लेकर अनिश्चितता के कारण समय सीमा बढ़ाने के भारत के अनुरोध को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है। तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने पीटीआई को बताया, यह एक ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है इसलिए हम ट्रायल में और देरी नहीं कर सकते थे। इससे भारत की प्रविष्टियां खारिज कर दी जाती। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इन चुनावों पर रोक लगा दी और मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। तदर्थ समिति से जारी बयान के मुताबिक, खिलाड़ियों का वजन स्पर्धा के दिन सुबह सात बजे होगा और उन्हें दो किलो की छूट दी जाएगी। ट्रायल निम्नलिखित श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा।

पुरुष फ्रीस्टाइल : 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 74 किग्रा, 79 किग्रा, 86 किग्रा, 92 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा।

ग्रीको-रोमन : 55 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 67 किग्रा, 72 किग्रा, 77 किग्रा, 82 किग्रा, 87 किग्रा, 97 किग्रा और 130 किग्रा।

हार्दिक पंड्या ने हार की जिम्मेदारी ली, कहा-अंतिम 10 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉडरहिल/भाषा। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वीकार किया कि उनकी धीमी बल्लेबाजी टर्निंग प्वाइंट साबित हुई जिसके कारण टीम अंतिम 10 ओवरों में लय खो बैठी। वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से यह मैच जीतकर शृंखला 3-2 से अपने नाम की। यह पंड्या की अगुवाई में पहला अवसर है जबकि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में द्विपक्षीय शृंखला गंवाई।

पंड्या ने 18 गेंदों पर 14 रन बनाए। उन्होंने मैच के बाद कहा, हमने अंतिम 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मैंने क्रीज पर पांव जमाने में समय लिया और फिर अंत तक नहीं टिका रहा। मैं फायदा नहीं उठा पाया। पंड्या ने धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है एक टीम के तौर पर हमें खुद को चुनौती पेश करनी चाहिए। हम इन मैचों से सीख लेते हैं। आखिरकार यहां या वहां एक शृंखला मायने नहीं रखती लेकिन लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होती है। पंड्या ने कहा, हमें अब वनडे विश्वकप में खेलना है और कई बार हारना अच्छा होता है। इससे आपको काफी सीख मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने जज्बा दिखाया। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं और हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हम इससे सीख लें।

सुविचार

जिंदगी पर अनमोल विचार
रिश्ता जो भी हो, मज़बूत होना चाहिए, मजबूर नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखंड रहे यह ज्योति

आज का सूर्योदय अद्भुत है। आज जो हवा बह रही है, उसमें एक ख़ास तरह का एहसास है। इस सुबह को देखने के लिए हमारे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की आंखें तरस गई थीं। आज हम आज़ादी की जिन हवाओं में सांस ले रहे हैं, उसके लिए भारत मां की अनेक संतानों ने अपनी सांसों और धड़कनों को बलिदान किया था। उन असंख्य पुण्यात्माओं के चरणों में कोटि-कोटि नमन! समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! हम उन वीरों, वीरांगनाओं, तपस्वियों, बलिदानियों के संघर्ष और त्याग का ऋण नहीं उतार सकते, क्योंकि पूरे ब्रह्मांड में ऐसी कोई चीज़ नहीं है, जो उसके बदले पेश की जा सके। अगर हम उन सपनों को पूरा करने की दिशा में ईमानदारी से कोशिश करें, जिनके लिए उन्होंने अपना जीवन खपा दिया था, तो यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमें उन वीरों-वीरांगनाओं द्वारा प्रज्वलित ज्योति को अखंड रखना है, उसे आगे पहुंचाना है। उससे हर घर का अंधियारा दूर करना है। भारत को उन्नति, समृद्धि और सद्भाव के नवयुग में लेकर जाना है। यह आनंद का विषय है कि तमाम मुसीबतों, रुकावटों, चुनौतियों और अभावों के बावजूद आज हमारा देश प्रगति-पथ पर निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। अहंकार में डूबे जिन ब्रिटिश नेताओं ने कहा था कि 'भारतीय देश चलाने में सक्षम नहीं हैं', वे देख लें कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की जनता अपने मताधिकार से सरकार चुनती है। यही नहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भी भारतीय मूल के हैं। आज भारत के अत्याधुनिक उपग्रह अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में इसरो का लोहा दुनिया मान रही है। हमारा चंद्रयान-3 मानवता के कल्याण की दिशा में नया कीर्तिमान रचेगा। जब भारत को आज़ादी मिली थी तो अंग्रेज़ चाहते थे कि इसे ऐसे हालात में छोड़कर जाएं कि यह कई दशकों तक अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सके। देश का विभाजन करवा दिया था। अलगाववाद की आग भड़क उठी थी। ऐसे माहौल में हमारे नीति निर्माताओं ने देश को संभाला, उसे एकजुट किया और धीरे-धीरे सुधार करते हुए विकास की ओर लेकर गए।

यह देखकर गर्व होता है कि कोरोना महामारी में भारतीय वैक्सीन ने दुनिया के करोड़ों लोगों की जानें बचाई थीं। भारत के खेतों में उपजा अन्न दुनिया के कितने ही लोगों का पेट भर रहा है। भारतीय प्रतिभाएं दुनियाभर में छाई हुई हैं। विख्यात तकनीकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भारतीय मूल के हैं। कभी ऐसे हालात थे कि सुई से लेकर जहाज़ तक विदेशी कारखानों से बनकर आते थे। आज भारतीय कारखाने दुनिया को सामान निर्यात कर रहे हैं। भारत अपना फौजी साजो-सामान बनाने में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था शीर्ष पांच में शामिल हो गई है। यहां हमने जिस देश को पछाड़ा, वह ब्रिटेन था। निस्संदेह आज भी देश में कई समस्याएं हैं, जिनका समाधान करना बाकी है। देश में सांप्रदायिकता के विष को समाप्त कर एकता के वृक्ष को सद्भाव के अमृत से सींचना होगा। आज भारत वह देश है, जिसके पास भरपूर युवा शक्ति है, लेकिन बेरोजगारी हिम्मत तोड़ रही है। अगर युवा शक्ति को योग्यता के अनुसार काम मिले तो यह हमें बहुत तेजी से आर्थिक महाशक्ति बना सकती है। भ्रष्टाचार अब भी बड़ी समस्या बना हुआ है। हालांकि डिजिटलीकरण के कारण इससे लड़ने में मदद मिली है, लेकिन इस रोग से खूब सख्ती से निपटने की जरूरत है। कोरोना काल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी महसूस हुई। सरकारों को चाहिए कि वे इस दिशा में और गंभीरता से काम करें। आयुर्वेद और परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को भी प्रोत्साहन दें। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की कुत्सित मनोवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इनमें सुधार की दूर-दूर तक कोई संभावना नजर नहीं आ रही है, इसलिए सुरक्षा बलों व खुफिया तंत्र को अधिक शक्तिशाली बनाकर सदैव सतर्क रहना ही एकमात्र उपाय है। इसके अलावा बांग्लादेश व म्यांमार जैसे देशों से घुसपैठियों का आगमन रोकना होगा। भारत में जहां-जहां ऐसे लोग अवैध ढंग से निवास कर रहे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें स्वदेश भेजना होगा। अन्यथा ये भविष्य में शांति और सद्भाव के लिए खतरा बन सकते हैं। देश में कानूनी सुधार हो रहे हैं, जो प्रसन्नता की बात है। देश तीन तलाक, अनुच्छेद 370, 35ए जैसे अवरोधों से आगे बढ़ चुका है। अब समान नागरिक संहिता समेत अन्य सुधारों पर विचार करना चाहिए। हमारे स्वतंत्रता सेनानी, अमर बलिदानी और नीति निर्माता जैसा भारत बनाना चाहते थे, उसका मार्ग इन्हीं सुधारों से होकर निकलेगा।

ट्वीटर टॉक

गहलोत सरकार के कुशासन में नागौर के महाराज मोहनदास की निर्मम हत्या कर दी गई। कांग्रेस के जंगलराज में साधु-संत अपराधियों के लगातार निशाने पर हैं, पर राज्य सरकार उनकी सुरक्षा की अनदेखी कर रही है। इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

ये सत्ता के लालची। इनकी व्यथा और व्याकुलता को समझा जा सकता है। ये मोहब्बत की दुकान के ऐसे सौदागर हैं जो देश की जनता को शापित करते हुए राक्षस कह देते हैं। अब सुरजेवाला जैसे विवेकहीन नेताओं का बौद्धिक स्तर नकारात्मकता की हर सीमा लांघ गया है।

-अरुण सिंह

प्रेरक प्रसंग

बोझ और सुख

एक प्रोफेसर ने हाथ में पानी से भरा एक गिलास बच्चों को दिखाते हुए पूछा, 'यह क्या है?' छात्रों ने उत्तर दिया, 'गिलास।' प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, 'इसका वजन कितना होगा?' उत्तर मिला, 'लगभग सौ ग्राम।' फिर पूछा, 'अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा?' छात्रों ने जवाब दिया, 'कुछ नहीं।' 'अगर मैं इसे एक घंटे पकड़े रहूं तो?' छात्रों ने उत्तर दिया, 'आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।' उन्होंने प्रश्न किया, 'अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा?' तब छात्रों ने कहा, 'आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं।' प्रोफेसर ने कहा, 'बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा?' जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, 'यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। इसलिए सुखी जीवन के लिए आवश्यक है कि समस्याओं का बोझ अपने सिर पर हमेशा नहीं लादे रखना चाहिए।'

सामयिक

"शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों में उच्च जीवन मूल्यों की स्थापना होता है। स्थानीयता और नवाचार आधारित शिक्षा ही मूल्य निर्माण की अवधारणा पर खरी उतरती है। आज की तारीख में बच्चों पर खूब नम्बर लाने का जैसा दबाव है, उसके सामने इस विषय में सोचने में भी डर लगता है।

शिक्षा-साहित्य और बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

शिक्षा क्या है ? यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब समय-समय पर बदलता रहा है। सबसे पहले शिक्षा मुक्ति का साधन थी, फिर चरित्र निर्माण का निमित्त बनी। बाद में रोजगार के संसाधन में तब्दील हो गई। किन्तु कोई भी व्यक्ति जीसे शिक्षा का ककहरा' भी पता होगा, वह ऐसी बात कहने की हिमाकत नहीं कर सकता कि पाठ्यपुस्तकें घोंटकर ढेर सारे नम्बर ले आना शिक्षा का मूल लक्ष्य है। जबकि आज की शिक्षा इसी मुकाम पर आ टिकी है।

शिक्षा स्वयं भटककर यहाँ नहीं पहुंची है, बल्कि बाजार की ताकतें और उसके फरेबी विज्ञापन तंत्र ने उसे यहाँ ला पटका है। सन 1995 में डंकल प्रस्ताव' पर हस्ताक्षर हुआ था और इसी के साथ सरकार के हर उपक्रम में बाजार के प्रवेश के दरवाजे खुल गए। फलस्वरूप शिक्षा के क्षेत्र में भी निजी क्षेत्र की पूंजी का दखल बढ़ने लगा, जिससे शिक्षा में बाजारीकरण का एक नया सिलसिला विकसित होने लगा। अबतक शिक्षा में इसकी जड़ें काफी गहरी हो चुकी हैं और इसने हाल के वर्षों में बच्चों, अभिभावक और शिक्षा पर कई गैर जरूरी चीजें थोपी हैं। मसलन दिखावटीपन, भविष्य के निराधार सपने, प्रतिद्वंद्विता, कोचिंग, अंधानुकरण आदि। इसकी कीमत अभिभावक अपनी गाढ़ी कमाई से तो बच्चे अपना बचपन गवां कर चुका रहे हैं। मगर फिर भी प्राइवेट स्कूलों का ऐसा आकर्षण है कि गरीबी रेखा के नीचे जीने वाले मजबूर परिवार के बच्चों के अतिरिक्त अन्य अधिसंख्य बच्चे इन्हीं स्कूलों के छात्र हैं। इनमें आधे से अधिक विद्यालय भारतीय लोक जीवन में विद्यमान ज्ञान को सिरे से खारिज करके बच्चों में उसके प्रति वितृष्णा का भाव पैदा करते हैं। कोढ़ में खाज वाली स्थिति यह है कि शिक्षा के नीति नियंता प्राइवेट शिक्षा को उचित दिशा देने के बजाय स्वयं भ्रम के शिकार हो रहे हैं। गावों में खास-खास सरकारी प्राइमरी स्कूलों को इंग्लिश मीडियम' का रुतबा बख्शना इसी का एक नमूना है। यहाँ यह देखना प्रासंगिक होगा कि करीब-करीब अशिक्षित परिवारों से आने वाले इन स्कूलों के छात्र एक अनजान भाषा के जरिए क्या और कितना सिख पाएंगे ? एक वक्त था, जब सामान्यत: शिक्षा के साथ गुणवत्ता, कौशल, मूल्य जैसे शब्द नहीं जुड़े थे। यह सब पूरी शैक्षिक प्रक्रिया के साथ दूध में शकर की तरह मिलेजुले होते थे। तब शिक्षा मूलतः सूचना और तथ्यों को एक मस्तिष्क से दूसरे मस्तिष्क तक स्थानांतरित करने तक सीमित थी। हमारे बचपन के दिनों में, यानी सातवें दशक के शुरुआती वर्षों तक यही शिक्षा थी। तब हमारे पास आज जैसी लकदक दुनिया भले न थी, मगर खेल का मैदान और गपशप का लम्बा-चौड़ा संसार था। पढ़ाई का दबाव तो नाममात्र का था, सेकंड क्लास में पास होना बड़ी बात थी। हम पढ़ते कम थे, सीखते ज्यादा थे। हम कई-कई दिनों तक चलने वाले विवाह आदि पारिवारिक आयोजन में खूब तफरी काटते थे। बाग, नदी, झील के आसपास घूमने के हमारे पास ढेरों अवसर होते थे। हम प्रकृति और परिवेश का अवलोकन करते थे और स्कूल से मिली जानकारियों या उस जैसी संज्ञाओं को यहाँ खोज निकालते थे। इस प्रकार स्कूल की पढ़ाई हमारे बोध की सीमा में प्रविष्ट हो जाती थी। ध्यान देने की बात है कि शिक्षा बोध तक पहुँचने के बाद ही मूल्य' में परिवर्तित होने की दिशा में आगे बढ़ती है। एन. सी. एफ.-2005 जो शिक्षा का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जोरदार ढंग से इंगित करता है-जब तक सीखने वाला पाठ को अपने जीवन संदर्भों से नहीं जोड़ लेता, तब तक वह सिर्फ सूचना बनी रहती है। सूचनाओं का परीक्षोपयोगी मूल्य होता है, किन्तु यह जीवन मूल्य में नहीं परिवर्तित हो सकती है।

एक बड़ी बात यह भी है, तब हमारी शामें किस्से-कहानियों के बीच गुजरती थीं। हमारे पास खेलगीत और पहेलियों के खजाने हुआ करते थे। विद्यालय में बालभारती, बालसखा, जीवन शिक्षा, राजाबेटा, रानी बिटिया, बेसिक बाल शिक्षा जैसी पत्रिकाओं के पैकेट साल में तीन-चार बार आते थे। हमारे बीच इनका वितरण होता था। यह हमारे पाठशाला के माहौल को मनोरंजन से भरपूर और बोधगम्यता से परिपूर्ण बनती थीं। इन पत्रिकाओं में छपने वाली वर्ग पहेलियों में छिपी नदियों, राजधानियों, इतिहास पुरुषों, वैज्ञानिकों, भाषाओं के नाम आदि जो हम खोजते थे, वह लम्बे समय तक हमारी स्मृति का हिस्सा बना रहता था।

शिक्षा मूलतः व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का उपक्रम है। व्यक्तित्व का बाह्य और आंतरिक दोनों पक्ष समाज स्वीकृत व्यवहार, आदतों, जीवन मूल्यों, आपेक्षाओं, सोच, मान्यताओं आदर्शों वगैरह का समुच्चय है। इसे अपेक्षाकृत स्तरीय, सुदृढ़, और गरिमापूर्ण बनाने में साहित्य कारगर हो सकता है, भारतीय चिंतन में इसके स्पष्ट प्रमाण पंचतंत्र में उपलब्ध हैं। यह ग्रंथ बताता है कि महिलारोप्य नगर का राजा अमरशक्ति कलाप्रवीण और बुद्धिमान था, मगर उसके तीनों पुत्र बहुशक्ति, उग्राशक्ति और अनंतशक्ति निरक्षर, मूर्ख और उद्दंड थे। सुमति नाम के मंत्री की सलाह पर राजा अमरशक्ति ने अपने पुत्रों को शिक्षित और सुशील बनाने के लिए विद्वान ब्राह्मण विष्णु शर्मा के हवाले कर दिया।

विष्णु शर्मा ने राजकुमारों को शिक्षा देने का कार्य आरंभ किया। इसके लिए उन्होंने कहानियों का आधार लिया। विष्णु शर्मा ने जीवन की ढेर सारी स्थितियों की कल्पना की और उसे केंद्र में रखकर मनोरंजक कहानियाँ गढ़ीं। किस स्थिति में कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, इसका कथाओं के जरिए निर्देशन किया। शिक्षा पूरी होते-होते विष्णु शर्मा अपने उद्देश्य में सफल हो चुके थे। महिलारोप्य नगर और अमरशक्ति की ऐतिहासिकता की खोज व्यर्थ है। पंचतंत्र' एक सच्चाई है। विद्वान इसे ईसा से दो सौ साल पहले की कृति बताते हैं। यह इस बात का जीता-जागता प्रमाण है कि भारतीय मनीषा बाइस सौ साल पहले जान चुकी थी कि शिक्षा में कहानियाँ महत्व पूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कोठारी आयोग (1964-66) के अध्यक्ष शिक्षाविद डॉ. दौलत सिंह कोठारी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था-बालसाहित्य पढ़ने से बच्चे की ज्ञान सम्बन्धी भावभूमि विस्तृत होती है और दृष्टिगोचर हो रहे वातावरण के प्रति वह अधिक संवेदनशील हो जाता है। यह बच्चों में प्रकृति, परिवेश और पर्यावरण के सजीव व निर्जीव घटकों को लेकर जिज्ञासा और जिम्मेदारी का भाव पैदा करता है। सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में इसकी महती भूमिका होती है। यह जो प्राइवेट क्षेत्र की शिक्षा ने ढेर सारे मार्क्स लाने की होड़ पैदा कर दी है, यह मूलतः शिक्षा में एक नकारात्मक हस्तक्षेप है। शिक्षाविद लम्बे समय से यह महसूस करने लगे हैं कि आज के बच्चों को अगर कल का बेहतर नागरिक बनाना है, संवेदनशील मनुष्य के रूप में ढालना है, उनके अन्दर सामाजिकता और समुदायिकता के गुणों की पुनर्स्थापना करनी है तो शिक्षा और बाल साहित्य के बीच जो दूरी बढ़ गई है, उसे खत्म करना होगा। बच्चों को ऐसा माहौल देना होगा, जहां वह पढ़ने-लिखने के साथ रचनात्मक भी बनें।

मुझे याद है, सन 1986 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' अस्तित्व में आई थी, तब स्कूलों का सौंदर्यीकरण हुआ था और ढेरों बालोपयोगी पुस्तकें विद्यालयों में भेजी गईं थीं। रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने भी आए थे। फिर देश के अधिकांश जिले 'डी.पी.ई.पी.' परियोजना से आच्छादित हुए। इसका लक्ष्य था कि विद्यालयीय गतिविधियों को इतना रम्य बना दिया जाए कि बच्चों को स्कूल पिकनिक स्पॉट प्रतीत हों। पढ़ाई-लिखाई का ढर्रा बदलने के लिए साधन' नामक ट्रैनिंग का जो माड्यूल था, वह कहानी-खेल और रोचक गतिविधियों पर आधारित था। इसके अंतर्गत बच्चों में सृजनात्मकता के विकास के लिए प्रतीक स्कूल से हर माह एक हस्तलिखित अखबार निकालने की बात थी। बौद्धिक विकास के परम्परागत साधनों-लोककथा, लोरी, खेलगीत, पहेली वगैरह को बच्चों के जरिए एकत्र करा के अभिलेखीकरण और संरक्षण की योजना भी शामिल थी। 'साधन' माड्यूल में एक बिंदु कहानी : एक सफल संभावना भी था, जिसमें विभिन्न विषयों के शिक्षण को रोचक बनाने में कहानी की भूमिका पर विषाद चर्चा थी। हालांकि यह परियोजना कार्यकारी मशीनरी के चलते सफलता का सोपान न चढ़ सकी। शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों में उच्च जीवन मूल्यों की स्थापना होता है। स्थानीयता और नवाचार आधारित शिक्षा ही मूल्य निर्माण की अवधारणा पर खरी उतरती है। आज की तारीख में बच्चों पर खूब नम्बर लाने का जैसा दबाव है, उसके सामने इस विषय में सोचने में भी डर लगता है। नई शिक्षा नीति-2020 की रिपोर्ट पाठ्यक्रम को छोटा, लचीला और रचनात्मक बनाने पर जोर देती है। यह प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा में देने की बात भी करती है। इसका नवाचार और स्थानीयता पर भी फोकस है। तात्कालिक दबाव से निकलने या रणनीति के तहत प्राइवेट स्कूल भी बच्चों को स्थानीयता और मातृभाषा का विकल्प देने के लिए तैयार हो रहे हैं। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या माँ-बाप अपनी महत्वाकांक्षा और अंग्रेजी के मोह से मुक्त होकर बच्चों को खुला आकाश देने को राजी होंगे ?

चिंतन

हर घर तिरंगा अभियान और ध्वज संहिता का मान

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहाँ से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए।

भारत की स्वतंत्रता के 76वें वर्ष के जश्न के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया है। अभियान में भाग लेते समय भारतीय ध्वज संहिता को समझना जरूरी है। 'हर घर तिरंगा' आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को तिरंगे को घर लाने और भारत की आज़ादी के 76वें वर्ष के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को 13 से 15 अगस्त 2023 तक अपने घरों में झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का फहराना/उपयोग/प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित होता है। भारतीय ध्वज संहिता राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के लिए सभी कानूनों, सम्मेलनों, प्रथाओं और निर्देशों को एक साथ लाती है। यह निजी, सार्वजनिक और सरकारी संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। अपना राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगा। इसको लहराते देख गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। इस के सम्मान में इसे सैल्यूट करने का मन चाहता है।

सबसे पहले 7 अगस्त 1906 कलकत्ता (अब कोलकाता) में लोअर सर्कुलर रोड' के पास पारसी बागान स्क्वायर पर पहला राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। उस समय इसमें लाल, पीले और हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियाँ बनी हुई थीं। इसके बाद, कई बदलावों से गुजरते हुए यह राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा इसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार किया गया। इसके मौजूदा स्वरूप को डिजाइन करने में स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकय्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौजूदा राष्ट्रीय ध्वज में सबसे ऊपर गहरा केसरिया, बीच में सफ़ेद और सबसे नीचे गहरा हरा रंग बराबर अनुपात में है। झंडे की चौड़ाई और लम्बाई का अनुपात 2:3 है। सफ़ेद पट्टी के केंद्र में गहरा नीले रंग का चक्र है, जिसका प्रारूप अशोक की राजधानी सारनाथ में स्थापित सिंह के शीर्षफलक के चक्र में दिखने वाले चक्र की तरह है। चक्र की परिधि लगभग सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर है। चक्र में 24 तीलियाँ हैं। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का कोई दुरुपयोग ना करे, कोई इनका अपमान न करे। इसी को ध्यान में रखते हुए साल 1950 में प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग रोकथाम) अधिनियम, 1950 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, सरकारी विभाग द्वारा उपयोग किये जाने वाले चिह्न, राष्ट्रपति या राज्यपाल की आधिकारिक मुहर, महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री के चित्रमय निरूपण तथा अशोक चक्र के उपयोग को प्रतिबंधित करता है। इसके बाद राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 लाया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र समेत देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है।

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहाँ से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि ध्वज को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए। ध्वज का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुँह श्रोताओं की ओर हो तो ध्वज उनके दाहिने ओर हो। ध्वज किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए। ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए और फटा या मैला ध्वज नहीं फहराया जाता है। अगर ध्वज फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में मर्यादित तरीके से पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। ध्वज केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है किसी दूसरे ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊँचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा तिरंगे का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिये नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा ध्वज का उपयोग उत्सव के रूप में या किसी भी प्रकार की सजावट के लिये नहीं किया जाना चाहिये।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मौजूदा लड़ाई 'दानव व मानव' के बीच : खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां कहा कि देश में मौजूदा (राजनीतिक) लड़ाई 'दानव व मानव' के बीच ही चल रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश को जिम्मेदार प्रधानमंत्री चाहिए, एक प्रचार मंत्री नहीं। खेड़ा ने विश्वास जताया कि इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दुबारा जीतकर सरकार बनाएगी। खेड़ा ने पार्टी सांसद रणदीप सुरजेवाला के एक बयान के बारे में पूछे जाने यह बात कही। उन्होंने कहा, संसद में प्रधानमंत्री दो घंटे 13 मिनट बोले। हंसी ठिठोली, फूहड़ मजाक, नारेबाजी चल रही है...। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या हुआ, वह भी आपने देखा... तो आप मुझे बताइए यह दानव मानसिकता नहीं है तो क्या है?

उन्होंने आगे कहा, इस देश के इतिहास में कई प्रधानमंत्री हुए.. अलग-अलग पार्टी के प्रधानमंत्री देखे हैं... ऐसा प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। एक तरफ देश का एक हिस्सा, एक कोना जल रहा हो और प्रधानमंत्री संसद में खड़े होकर मजाक कर रहे हों। उन्होंने कहा, मैं उनकी (सुरजेवाला की) बात से सहमत हूं कि आज जो लड़ाई चल ही है, जो संघर्ष चल रहा है वह दानव व मानव का चल रहा है... इसमें कोई शक की बात नहीं। इस देश को एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री चाहिए एक प्रचार मंत्री नहीं चाहिए। सुरजेवाला ने रविवार को हरियाणा के कैथल में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था, युवाओं के भविष्य को (मनोहर लाल) खट्टर और दुष्यंत चौटाला मंडी में बोली लाकर बेच रहे हैं...नौकरी मत दो, मौका तो दो। भाजपा, जजपा के राक्षसों, तुम लोग राक्षस हो। जो लोग भाजपा और जजपा को वोट देते हैं और भाजपा समर्थक हैं, वे राक्षस प्रवृत्ति के हैं।

अपनी इस टिप्पणी को लेकर भाजपा के निशाने पर आने पर उन्होंने सोमवार को कहा कि युवाओं के भविष्य पर 'बुलडोजर चलाने वाले' लोग 'असुर' नहीं तो क्या देवता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बात को तिल का ताड़ बनाया गया है और वह 'गीदड़ भभकियों' से डरने वाले नहीं हैं तथा जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। खेड़ा ने विश्वास जताया कि राज्य में हर चुनाव में सरकार बदलने का 'रिवाज' इस बार टूटेगा और सत्तारूढ़ कांग्रेस फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, अशोक गहलोत की योजनाओं को लेकर लोगों में जो प्रसन्नता दिखती है उससे हमारे मन में भरोसा बनता है कि इस बार रिवाज टूटेगा और कांग्रेस की सरकार फिर से आएगी।

मुख्य विपक्ष दल भाजपा द्वारा कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधे जाने पर खेड़ा ने कहा कि विडंबना है कि भाजपा वाले अपनी ही केंद्र सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी के आंकड़े नहीं पढ़ते। उन्होंने कहा, इनकी सरकार के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश या असम या अन्य राज्य में क्या हो रहा है? हमारी मानसिकता तुलना की नहीं है क्योंकि अपराध अपराध होता है गलत गलत होता है। लेकिन सरकार कितनी जागरूक है यह तुलना आप जरूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब भी ऐसी कोई वारदात हुई, अशोक गहलोत की सरकार ने त्वरित कार्रवाई करके एक उदाहरण पूरे देश को दिया कि कैसे सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। हम इनके जैसे नहीं हैं कि कठुआ में, उन्नाव में, हाथरस में कोई वारदात हो तो बलात्कारियों के साथ जाकर खड़े हो जाते हैं।

इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दुबारा जीतकर सरकार बनाएगी। खेड़ा ने पार्टी सांसद रणदीप सुरजेवाला के एक बयान के बारे में पूछे जाने यह बात कही।

अभियान

हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के आह्वान पर देशभर में शुरू हुए अभियान के अंतर्गत सोमवार को चित्तौड़गढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए।

संत की चाकू घोंपकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। राजस्थान के नागौर में शर्मचार कर देने वाला मामला सामने आया है। हरिराम बाबा बगीची के महाराज मोहनदास की धारदार हथियार घोंपकर हत्या कर दी। फिलहाल कुचामन पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नागौर के डीडवाना में एक संत की की मर्डर का मामला कर सामने आया है।

हत्या बीते रविवार रात को हुई। जब लोग सुबह मंदिर पहुंचे तो उसी दौरान एक संत की डेड बॉडी फर्श पर पड़ी थी। संत के हाथ और पैर बांधे हुए थे। आंखों भी पट्टी से बंधी हुई थी। जानकारी के मुताबिक संत का नाम मोहनदास बताया जा रहा है। ये डीडवाना कुचामन के रसाल गांव के हरिराम बाबा की बगीची में पिछले 14 साल से सेवा कर रहे थे। बाबा के परिजन तिलोक राम ने कुचामन थाना पुलिस को बताया कि रविवार की रात आठ बजे महाराज और ग्रामीण आपस में बात कर रहे थे।

उसके बाद वह सोने के लिए कमरे में चले गए थे। गांव वाले भी बगीची से अपने-अपने घरों की ओर चले गए थे। सोमवार सुबह लोग दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचे तो लोगों ने महाराज जी को आवाज लगाई तो नहीं मिले। आखिरी में लोगों ने बगीची के अंदर जाकर देखा तो उनका हाथ, पैर और मुंह बंधा हुआ था और फर्श पर खून बिखरा हुआ था।

घटना की जानकारी श्रद्धालुओं ने कुचामन थाना पुलिस को दी। मौके पर कुचामन थाना पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कुचामन की राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी रखवाया है। पुलिस ने ही हिंदू संत के परिजनों को सूचना भी दी। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर घटना के कारणों को जानने के प्रयास में जुटी है।

तिरंगा यात्रा में सांसद जसकौर मीणा ने प्रदेश को सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। चौबीस घंटे में 17 महिलाओं की आबरू के साथ राजस्थान में खिलवाड़ हो रहा है। यह कहना है दौसा सांसद जसकौर मीणा का। सांसद ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा की जा रही बंदरबांट राजस्थान की जनता को भलिभांति समझ में आ रही है, जिसके चलते अब इस सरकार के छलावे में राजस्थान की जनता नहीं आने वाली।

तिरंगा यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दौसा सांसद जसकौर मीणा ने कहा कि आज का दिन पीएम मोदी का है। गत वर्ष से तिरंगा यात्रा शुरू की और तिरंगा यात्रा जिला मुख्यालय से शहर गली, गांव, गलियारों से लेकर आज दौसा शहर में तिरंगा यात्रा निकाली है। उन्होंने उन अमर शहीदों को याद कर आमजन को प्रेरित किया कि जिन्होंने अपने प्राण देश के लिए न्योछावर कर दिए। हमारे शहीदों को न भूलें, अपनी माटी और अपना सम्मान, यह भाव सबके मन में हो।

दौसा की माटी के सम्मान में एक पौधा सभी लगाएं। सभी कार्यकर्ता प्रान्त में जाएं और प्रान्त से प्रदेश की माटी दिल्ली तक लेकर जाएं। एक अमृत काल का वन बने। जसकौर मीणा ने कहा 16 अगस्त से हम अमृत काल में प्रवेश करेंगे। 2047 में भारतीय जनता पार्टी ही नहीं सम्पूर्ण राष्ट्र का सपना है कि देश जगत गुरु बने। संसार में सर्वोच्च प्रतिष्ठा प्राप्त भारत देश बने। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान है कि तिरंगे के प्रति सम्मान और साथ ही शहीदों का सम्मान हो। उन शहीदों की स्मृति जन जन के मन में उत्पन्न हो सके।

दौसा सांसद जसकौर मीणा ने प्रदेश कांग्रेस सरकार पर तंज कसा। उन्होंने प्रदेश में कांग्रेस सरकार की स्मार्टफोन मोबाइल योजना पर कहा कि वह तो कब से क्या क्या बांट रही है। चार साल से कांग्रेस सरकार का पता नहीं है कि क्या-क्या बांट रही है। बांटने के नाम पर धोखा, झूठ, फरेब है। माताओं, बहनों-बेटियों की रक्षा ये कांग्रेस सरकार नहीं कर सकी। प्रदेश भर के अंदर एक दिन में 17 केस महिला रेप और अपराध के सामने आए हैं, लेकिन सरकार मोबाइल योजना के तहत रेवड़ी बांट रही है। इससे जनता भ्रमित नहीं होगी। जनता ने ठान लिया है कि जो देश का सम्मान करें, नागरिकों का विकास करें और अंतिम पायदान पर खड़े गरीब आदमी की सुरक्षा करें, उसे संपन्नता दे। उसे ही चुनना है। राजस्थान की कांग्रेस पार्टी को जीत का भ्रम है। जनता उनके में कारनामों को देख रही है।

ईडी ने धनशोधन के आरोप में राजस्थान के पूर्व संयुक्त निदेशक को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के एक पूर्व संयुक्त निदेशक को उनके और अन्य के खिलाफ कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले से जुड़े धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि उसने राजस्थान की राजधानी जयपुर और उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में पूर्व संयुक्त निदेशक वेद प्रकाश यादव के परिसरों की तलाशी ली थी और फिर नौ अगस्त को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यादव को जयपुर में धन शोधन रोकथाम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया गया जिसने उन्हें 14 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। यादव के खिलाफ धन शोधन का ईडी का मामला राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक प्राथमिकी पर आधारित है। ब्यूरो ने जब यह प्राथमिकी दर्ज की थी तब वह सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात थे। एसीबी की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की यूआईडी शाखा में फाइलों की जांच के दौरान आलीमारी में दो बैग मिले थे। इनमें 500 रुपये और 2000 रुपये के नोटों में 2.31 करोड़ रुपये नकद थे।

ब्यूरो के मुताबिक जांच के दौरान यादव का 61.80 लाख रुपये मूल्य का एक किलोग्राम सोना भी मिला था। ईडी ने बताया कि एसीबी ने बाद में यादव के खिलाफ '31 मार्च, 1994 और 21 मई, 2023 के बीच 3.35 करोड़ रुपये की आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित' करने को लेकर आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने कहा कि उसने यादव के परिसरों पर मारे गए छापों के दौरान संपत्तियों की बिक्री के दस्तावेज, 'आपत्तिजनक' दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।

मुलाकात

संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी प्रवास के दौरान सोमवार को लोकसभा कैम्प कार्यालय में आमजन से मुलाकात करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

राजस्थान सरकार सबसे भ्रष्ट, रोजाना नये-नये 'घोटाले' सामने आ रहे : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने रविवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार को सबसे भ्रष्ट करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में रोजाना नये-नये घोटाले और बलात्कार के मामले सामने आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने आरोप लगाया कि देश में दर्ज उत्पीड़न और हत्या के 16 प्रतिशत मामले अकेले राजस्थान से हैं। वह इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने के लिए जयपुर पहुंचे थे।

जोशी ने संवाददाताओं से कहा, राजस्थान सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। बलात्कार के मामलों में राजस्थान शीर्ष पर है। भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र 16 से अधिक बार लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ठप हो गए हैं और राज्य में भाजपा सरकार की जरूरत है।

जोशी ने सवाल किया, अगर मुख्यमंत्री गहलोत गरीबों का भला करना चाहते हैं, तो साढ़े चार साल में ऐसा क्यों नहीं किया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं में विश्वास जगाते हुए कहा कि पार्टी राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

कोरोना से अनाथ बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर मिलेगी सरकारी नौकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन के प्रस्ताव को प्रशासनिक स्वीकृति दी है। कार्मिक विभाग के प्रस्ताव के अनुसार अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर पे मैट्रिक्स एल-9 में नियुक्ति दी जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार वह अनाथ बालक/बालिका नियुक्ति प्राप्त कर सकेंगे, जिनके जैविक अथवा दत्तक ग्रहण करने वाले माता-पिता की मृत्यु कोरोना के कारण 31 मार्च, 2023 अथवा इससे पूर्व हो चुकी हो।

साथ ही, ऐसे अनाथ बालक/बालिका जिसके माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु पूर्व में हो चुकी हो तथा दूसरे की मृत्यु कोरोना के कारण 31 मार्च 2023 या उससे पूर्व हुई हो एवं अनाथ होने के समय जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक नहीं हो, को भी नियुक्ति दी जा सकेगी। प्रस्ताव में अनाथ के माता-पिता की मृत्यु की अंतिम दिनांक मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना-2021 में प्रावधित 15 अक्टूबर, 2022 से विस्तारित करते हुए 31 मार्च, 2023 की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में कोरोना के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर सरकारी नौकरी दिये जाने की घोषणा की थी।

गहलोत से मिले कर्मचारियों के 24 प्रतिनिधिमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विभिन्न विभागों के राजकीय कर्मचारियों के 24 प्रतिनिधिमंडलों ने मुलाकात की। गहलोत से मुख्यमंत्री निवास पर मिले इन प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने जीवन का महत्वपूर्ण भाग राजकीय सेवा में समर्पित करने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा देना राज्य सरकार का कर्तव्य है। उनका भविष्य शेयर मार्केट और म्यूचुअल फण्ड्स की अनिश्चितताओं के अधीन नहीं रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना के लागू होने से कर्मचारियों में अपने भविष्य के प्रति सुरक्षा की भावना आई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में प्रदेश में ओपीएस को बहाल करने का निर्णय लिया गया है। केन्द्र सरकार को भी अपने कर्मचारियों के लिए मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना लागू करनी चाहिए।

इस मौके कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पुरानी पेंशन योजना लागू होने से अब सेवानिवृत्ति के बाद होने वाली आर्थिक असुरक्षा की आंशका से उन्हें और उनके परिवार को मुक्ति मिली है। इस अवसर पर रेसला, अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन संघ, रेस्टा, रेसा-पी (प्रधानाचार्य), रेसा-वीपी (उप प्रधानाचार्य), शिक्षक संघ प्रगतिशील, एनएम ओपीएस, राजस्थान प्रबोधक संघ, सचिवालय कर्मचारी संघ, सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी संघ, तकनीकी कर्मचारी महासंघ, इन्टक (विद्युत), पीएचईडी कर्मचारी महासंघ, अखिल राजस्थान कर्मचारी महासंघ, पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद थे।

जयपुर केंद्रीय जेल में कैदी ने आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित केंद्रीय जेल में एक कैदी ने बाथरूम में फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। लाल कोठी पुलिस थाने के थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने कहा कि हत्या के दोषी संदीप पाराशर (35) ने रविवार शाम जेल के बाथरूम में ग्रिल से फांसी लगा ली। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया और आज पोस्टमार्टम कराया गया। उन्होंने कहा कि पाराशर दो महीने से अधिक समय तक जयपुर सेंट्रल जेल में था। अच्छे आचरण के आधार पर उसे कुछ महीने पहले जयपुर के सांगानेर की खुली जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था लेकिन वह वहां से भाग गया।

राजस्थान की 2 वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्वाधीनता दिवस-2023 के अवसर पर राजस्थान की 2 वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान करने की घोषणा की गयी है। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने इन सभी अधिकारियों को बधाई दी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स स्मिता श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस हाउसिंग बिनीता ठाकुर को राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चुना गया है।

प्रदेश के 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक के लिए चुना गया है। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बांसवाड़ा कान सिंह भाटी, सहायक पुलिस आयुक्त, जोधपुर मांगी लाल राठौड़, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस दूरसंचार अजमेर वेद प्रकाश बालोदिया, पुलिस निरीक्षक टेकरी उदयपुर अनिल कुमार रेवाडिया, पुलिस निरीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा जयपुर प्रशांत शर्मा, पुलिस निरीक्षक, एमटी पीएमडीएस बीकानेर गुरजिंदर सिंह शामिल है।

इसी प्रकार उप निरीक्षक, आरपीए जयपुर राम प्रसाद शर्मा, उप निरीक्षक, एसओजी जयपुर गोपाल लाल जांगिड़, उप निरीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा जयपुर सुरेंद्र सिंह शेखावत, प्लाटून कमांडर, जयपुर हवा सिंह, सहायक उप निरीक्षक, जयपुर कल्याण सहाय शर्मा, सहायक उप निरीक्षक डीएसबी जयपुर ग्रामीण बाबू लाल जाट, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी ङ्घङ्घएसएसबी जयपुर पप्पू कुमावत, कांस्टेबल, एमबीसी खेरवाड़ा उदयपुर नरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल, आरएसी जोधपुर छगना राम तथा कांस्टेबल एसओजी यूनिट अजमेर रामदेव को पुलिस पदक के लिये चुना गया है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com